दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 133
मुरादाबाद
(Thursday)
04 September 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्टः शाह ने थपथपाई जांबाजों की पीठ, नक्सल विरोधी अभियानों से करोड़ों के जीवन में नया सूर्योदय

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने करेंगुट्टालु पहाड़ी पर %ऑपरेशन ब्लैक फ़ॉरेस्ट% को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाले सीआरपीएफ, छत्तीसगढ़ पुलिस, डीआरजी और कोबरा बटालियन के जवानों को सफल नक्सल विरोधी अभियान के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद थे। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने करेंगुट्टालु पहाड़ी पर ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाले सीआरपीएफ, छत्तीसगढ़ पुलिस, डीआरजी और कोबरा के जवानों से नई दिल्ली में भेंट की। शाह ने जवानों को सम्मानित किया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियानों से साढ़े 6 करोड़ लोगों के जीवन में नया सूर्योदय हुआ है। मोदी सरकार का संकल्प है कि हम 31 मार्च, 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त कर देंगे। शाह ने करेंगुट्टालु पहाड़ी पर चले अब तक के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान %ऑपरेशन ब्लैक फ़ॉरेस्ट% में वीर जवानों द्वारा शौर्यपूर्ण प्रदर्शन कर अभियान को सफल बनाने के लिए सभी सुरक्षाबलों के जवानों को हृदय से बधाई दी। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के विरुद्ध अभियान के इतिहास में ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के दौरान जवानों का शौर्य और पराक्रम एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा। मोदी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी जब तक सभी नक्सली या तो आत्मसमर्पण न कर दें, पकड़े न जाएँ या समाप्त न हो जाएँ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम भारत को नक्सलमुक्त बनाकर ही रहेंगे। गर्मी, ऊंचाई और हर कदम पर आईईडी के खतरों के बावजूद सुरक्षाबलों ने बुलंद हौसले के साथ अभियान को सफल बनाकर नक्सलियों का बेस कैंप समाप्त किया।शाह ने कहा कि करेंगुट्टालु पहाड़ी पर बने नक्सलियों के मैटीरियल डंप और सप्लाई चेन को छत्तीसगढ़ पुलिस, सीआरपीएफ, डीआरजी और कोबरा के जवानों ने अपने पराक्रम से नष्ट कर दिया। नक्सलियों ने देश के सबसे कम विकसित क्षेत्रों को बहुत नुकसान पहुंचाया है। वहां के स्कूल और अस्पताल बंद कर दिए। नक्सलियों ने सरकारी योजनाओं को स्थानीय लोगों तक नहीं पहुंचने दिया। उन्होंने कहा कि नक्सल विरोधी अभियानों में गंभीर शारीरिक क्षति उठाने वाले सुरक्षाबलों के जीवन को सुचारू रूप से चलाने के लिए मोदी सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

न्यायमूर्ति अरुण कुमार को दिलाई गई पद और गोपनीयता की शपथ, जजों की संख्या हुई 65

इलाहाबाद हाईकोर्ट में अधिवक्ता अरुण कुमार ने न्यायमूर्ति पद की शपथ ली। बुधवार को हाईकोर्ट के न्यायकक्ष में आयोजित समारोह में मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने जस्टिस अरुण कुमार को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।इलाहाबाद हाईकोर्ट में अधिवक्ता अरुण कुमार ने न्यायमूर्ति पद की शपथ ली। बुधवार को हाईकोर्ट के न्यायकक्ष में आयोजित समारोह में मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने जस्टिस अरुण कुमार को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस समारोह के चलते न्यायिक कार्य 10.45 बजे से शुरू हुआ। अब हाईकोर्ट की प्रधान पीठ में मुख्य न्यायमूर्ति को छोड़ कर अन्य न्यायमूर्तियों की संख्या 65 हो गई है जबकि लखनऊ खंडपीठ में 19 न्यायमूर्ति हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति के 160 पद स्वीकृत हैं। दो दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने 26 अधिवक्ता, न्यायिक अधिकारियों को न्यायमूर्ति बनाए जाने का प्रस्ताव सरकार को भेजा है। न्यायमूर्ति अरुण कुमार के नाम को लगभग दो साल बाद सरकार की स्वीकृति मिली है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने नौ मई 2023 को उनकी उम्मीदवारी को दोबारा अनुशंसित करते हुए उन्हें इस पद के लिए योग्य और उपयुक्त बताया था। 51 वर्षीय अधिवक्ता अरुण कुमार को लगभग 25 से अधिक वर्षों का अनुभव है। कॉलेजियम की सिफारिश के बावजूद उनकी नियुक्ति करीब दो साल बाद हुई है।

बाढ़ प्रभावित राज्यों के लिए विशेष राहत पैकेज का एलान करे सरकार, राहुल गांधी की पीएम मोदी से अपील

राहुल गांधी ने एक वीडियो संदेश भी जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा %लोगों को अपने परिवारों को बचाने के लिए संघर्ष करते देखना दुखद है। मोदी जी, लोगों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। इन लोगों की सुरक्षा के लिए तुरंत एक विशेष राहत पैकेज तैयार करें।%देश में भारी बारिश ने इन दिनों तबाही मचाई हुई है। कई राज्य बाढ़ की चपेट में हैं। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से बाढ़ प्रभावित राज्यों के लिए विशेष राहत पैकेज घोषित करने की अपील की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बाढ़ प्रभावित राज्यों पंजाब, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के लिए तत्काल विशेष राहत पैकेज की घोषणा करने और राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने का आग्रह किया।राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने की अपील

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कहा, %मोदी जी, बाढ़ ने पंजाब में भारी तबाही मचाई है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। ऐसे मुश्किल समय में आपके इस तरफ ध्यान देने और केंद्र सरकार की सक्रिय मदद की बेहद जरूरत है। हजारों परिवार अपने घर, जिंदगी और अपनों को बचाने के लिए जूझ रहे हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा, मैं आग्रह करता हूं कि इन राज्यों, खासकर किसानों के लिए तत्काल एक विशेष राहत पैकेज की घोषणा की जाए और राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए।%राहुल गांधी ने एक वीडियो संदेश भी जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा %लोगों को अपने परिवारों को बचाने के लिए संघर्ष करते देखना दुखद है। मोदी जी, लोगों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। इन लोगों की सुरक्षा के लिए तुरंत एक विशेष राहत पैकेज तैयार करें।%भारी बारिश से मैदानी इलाकों में भी बाढ़

पिछले कुछ हफ्तों से देश के कई हिस्सों में लगातार बादल फटने और बाढ़ की खबरें आ रही हैं। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में भी भारी बारिश ने बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। उफनती नदियों ने कई इलाकों को जलमग्न कर दिया है, रेल और सड़क यातायात को ठप कर दिया है और स्कूलों को बंद करना पड़ा है। भीषण बाढ़ से जूझ रहा पंजाब- साल 1988 के बाद पंजाब सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। सतलुज, व्यास और रावी नदियां और मौसमी छोटी नदियां भारी बारिश के कारण उफान पर हैं। पंजाब के 12 जिले बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं, जिनमें अब तक 29 लोगों की जान जा चुकी है और 2.56 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। उत्तराखंड और जम्मू कश्मीर में बादल फटने की घटनाएं हुई हैं और लगातार बारिश भी जारी है। इससे उपजे हालात में सैंकड़ों लोग मारे गए हैं। पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को भारी बारिश के कारण भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण दो महिलाओं की मौत हो गई। राज्य में 1,000 से ज़्यादा सड़कें बंद हो गईं हैं। राज्य के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

अब एक नहीं तीन साल के लिए होगी आउटसोर्स कर्मियों की भर्ती, श्रेणी वन में 40 हजार रुपये होगा न्यूनतम वेतन

यूपी में आउटसोर्स कर्मचारियों का अनुबंध बढ़ेगा साथ ही न्यूनतम मानदेय में भी बढ़ोतरी की जाएगी। भर्तियों में आरक्षण की व्यवस्था भी लागू की जाएगी।उत्तर प्रदेश में सरकारी विभागों में अब आउटसोर्स कर्मी तीन साल तक अपनी सेवाएं दे सकेंगे। इसके बाद उनका नवीनीकरण किया जा सकेगा। अभी तक एक साल का अनुबंध होता था।

कर्मचारियों को कम से कम 20 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। अभी तक न्यूनतम मानदेय 10 हजार रुपये था। इसके साथ ही विभाग अब आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन सीधे नहीं करेंगे। एजेंसियों का चयन उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम जेम पोर्टल के माध्यम से करेगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन को मंजूरी दी है। वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतन के अलावा पीएफ और कर्मचारी राज्य बीमा निगम की सुविधा भी मिलेगी। नई व्यवस्था में एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, दिव्यांगजन, भूतपूर्व सैनिक और महिलाओं को नियमानुसार आरक्षण का लाभ मिलेगा। महिलाओं को मैटरनिटी लीव भी मिलेगी।लिखित परीक्षा व साक्षात्कार से चयन- आउटसोर्सिंग के लिए चयन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के माध्यम से होगा। कर्मचारियों की कार्यक्षमता और दक्षता बढ़ाने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। सेवा के दौरान कर्मचारी की मृत्यु होने पर 15 हजार रुपये अंतिम संस्कार सहायता के लिए दिए जाएंगे। निगम के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि हर कर्मचारी को उसका पूरा हक मिले और उसका भविष्य सुरक्षित रहे। नई व्यवस्था में यह खास - आउटसोर्स कर्मचारियों से महीने में 26 दिन सेवा ली जा सकेगी। - वेतन 1 से 5 तारीख तक सीधे खातों में जाएगा। - ईपीएफ और ईएसआई का अंशदान कर्मचारियों के खाते में जाएगा। - किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सेवा तुरंत समाप्त की जा सकेगी। आउटसोर्स कर्मिकों की श्रेणी व न्यूनतम पारिश्रमिक श्रेणी 1 = चिकित्सीय, अभियंत्रण स्तर 1, व्याख्यान, परियोजना प्रबंधन, लेखा स्तर 1, अनुसंधान (वरिष्ठ) सेवाओं का न्यूनतम पारिश्रमिक 40 हजार रुपये। श्रेणी 2 = कार्यालय स्तर 2, आशुलिपिक स्तर 2, लेखा स्तर 2, डाटा प्रोसेसिंग स्तर 2, कला शिक्षण, शारीरिक प्रशिक्षण, शिक्षण सेवाएं स्तर 2, एक्सरे, नर्सिंग, फार्मेसी, परामर्शदाता व सांख्यिकी सेवाओं का न्यूनतम पारिश्रमिक 25 हजार होगा।श्रेणी 3 = श्रेणी तीन कार्यालय स्तर 3, आशुलिपिक स्तर 3, टंकण, दूरसंचार, भंडार, फोटोग्राफी, डाटा प्रोसेसिंग स्तर 3, पुस्तकालय, इलेक्ट्रिशियन, यांत्रिक, फिटर, प्रयोगशाला परिचालन, पैरामेडिकल, वाहन चालन सेवा का न्यूनतम पारिश्रमिक 22 हजार होगा। श्रेणी 4 = कार्यालय स्तर 4, लिफ्ट ऑपरेटर, प्रयोगशाला स्तर 4, अभिलेख स्तर 4, कार्यालय अधीनस्थ स्तर 4, भंडारण स्तर 4, डाक, रंगरोगन, खान-पान, बागवान, श्रम समेत 43 विशिष्ट सेवा व यांत्रिक, विद्युत, सैनिटेशन, पंपिंग, फायर, सुरक्षा समेत 47 अत्तिविशिष्ट सेवा का न्यूनतम वेतन 20 हजार होगा।

भारत-जर्मनी में सहयोग की अपार संभावनाएं, जयशंकर से मुलाकात में बोले जर्मन विदेश मंत्री

जयशंकर ने कहा कि %यूरोपीय संघ के साथ हमारे रिश्तों को मजबूत बनाने और मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जर्मनी की भूमिका अहम है। भारत और जर्मनी के बीच बहुस्तरीय सहयोग का इतिहास रहा है। मुझे उम्मीद है कि आज की बातचीत से हमारे संबंध बेहतर होंगे।% %दोनों देशों में सहयोग की अपार संभावनाएं% बैठक में जर्मनी के विदेश मंत्री वेडफुल ने कहा कि %मेरे लिए, बंगलूरू की यात्रा वाकई दिलचस्प रही। हम आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से साथ मिलकर क्या कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि हमारे देशों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। जर्मनी मुक्त व्यापार समझौते पर जल्द से जल्द बातचीत करने के पूरे समर्थन में है। हम एक मुक्त व्यापार राष्ट्र हैं। यूरोपीय संघ भारत के साथ समझौते पर काम कर रहा है, यह हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

जयशंकर ने कहा कि %यूरोपीय संघ के साथ हमारे रिश्तों को मजबूत बनाने और मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जर्मनी की भूमिका अहम है। भारत और जर्मनी के बीच बहुस्तरीय सहयोग का इतिहास रहा है। मुझे उम्मीद है कि आज की बातचीत से हमारे संबंध बेहतर होंगे।%भारत दौरे पर आए जर्मन विदेश मंत्री जोहान डेविड वेडफुल ने नई दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर से मुलाकात की। हैदराबाद हाउस में दोनों नेताओं के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक हुई, जिसमें जर्मन विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और जर्मनी में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। इससे पहले मंगलवार को जर्मनी के विदेश मंत्री वेडफुल बंगलूरू पहुंचे और वहां उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का दौरा किया। जयशंकर बोले- यूरोपीय संघ के साथ रिश्ते बेहतर करने में जर्मनी की अहम भूमिका प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने जर्मन विदेश मंत्री के भारत आगमन की सराहना की। उन्होंने कहा %हम 25 वर्षों की रणनीतिक साझेदारी, 50 वर्षों के वैज्ञानिक सहयोग, लगभग 60 वर्षों के सांस्कृतिक समझौतों और एक शताब्दी से भी अधिक के व्यावसायिक संबंधों का जश्न मना रहे हैं। मुझे खुशी है कि इस यात्रा के दौरान आपको बंगलूरू जाने और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमारे सहयोग की अपार संभावनाओं को देखने का अवसर मिला।जयशंकर ने कहा कि %यूरोपीय संघ के साथ हमारे रिश्तों को मजबूत बनाने और मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जर्मनी की भूमिका अहम है। भारत और जर्मनी के बीच बहुस्तरीय सहयोग का इतिहास रहा है। मुझे उम्मीद है कि आज की बातचीत से हमारे संबंध बेहतर होंगे।% %दोनों देशों में सहयोग की अपार संभावनाएं% बैठक में जर्मनी के विदेश मंत्री वेडफुल ने कहा कि %मेरे लिए, बंगलूरू की यात्रा वाकई दिलचस्प रही। हम आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से साथ मिलकर क्या कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि हमारे देशों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। जर्मनी मुक्त व्यापार समझौते पर जल्द से जल्द बातचीत करने के पूरे समर्थन में है। हम एक मुक्त व्यापार राष्ट्र हैं। यूरोपीय संघ भारत के साथ समझौते पर काम कर रहा है, यह हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

संपादकीय Editorial

Superpower of opponents

The immaturity, irritation and tariffism of US President Trump brought together those powers which were scattered till now. There was no sharing and harmony among them. Mutual solidarity and mobilization was not evaluated. Rather, there were more feelings of hostility. Some aggressive incidents also took place. For India, the 1962 war is a forgotten past, because after that India and China have become superpowers of the world. This time, the summit which has been started by the heads of state and prime ministers of 26 countries under the banner of 'Shanghai Cooperation Organization' (SCO), those countries can become the new superpower of the world. Those countries can also create a new global order. The total GDP of these 26 countries of SCO is more than 106 trillion dollars. More than 40 percent of the world's population lives in these countries, which is the basic dividend of these countries. This population is a collective power. The total oil reserve of these countries is equal to 20 percent of the world. These countries have more than 5200 nuclear weapons, although most of the countries are not nuclear. Russia and China are permanent veto power holding countries of the United Nations Security Council. On the other hand, NATO and European countries are also not in favor of America. Veto power countries like Britain and France are also not completely in favor of America. President Trump's tariffism has given an opportunity to the emergence of a 'superpower of opponents', while the Federal Appeals Court of America has declared Trump's tariffism 'illegal' by a decision of 7-4. The court believes that the President does not have such emergency, unlimited powers. Only the US Congress (Parliament) can approve such a comprehensive tariff. Now President Trump has time till October 14 to challenge this court decision in the Supreme Court. However, tariffism is not the only issue of discussion in SCO. In fact, now countries are mobilizing against the monopoly of America. Powers like India, China, Russia, with the full support of other countries, are marginalizing their old differences and mobilizing, and the role of the US President's 'bullying' is immense in this. After seven long years, Prime Minister Modi is not only on a visit to China, but also had a bilateral conversation with Chinese President Xi Jinping for about an hour at 9.35 am on Sunday, 31 August 2025. This meeting is very important. The issues of the shared dialogue became public later, but this unity of India-China itself marks the beginning of 'superpower'. Both the countries have also decided on a roadmap and task force to resolve the border dispute. However, this is a long and complicated process. Russian President Putin is also present on this platform along with Modi and Jinping. Bilateral dialogue between Prime Minister Modi and President Putin is also possible on Monday. Japan is also involved in the creation of the 'superpower of opponents', which is a member of the 'Quad' along with India, America and Australia. There is little chance of President Trump attending the Quad summit to be held in India in October-November. However, Japan has signed an agreement to invest Rs 6 lakh crore in India during Prime Minister Modi's recent visit. Suzuki Corporation has also announced an investment of Rs 70,000 crore. Although the US has imposed a tariff of only 15 percent on Japan, but when the superpowers are polarizing on a large scale, Japan is also joining it. However, if the global equations change in the coming days, it is not as if the strategic partnership of India-US will end completely. In this context, now America will have to show flexibility, because India has taken a fundamental decision to increase exports with 40 countries. China's offer is very important, because there is a fight.

Turn the disaster in the form of Trump into an opportunity, big steps will have to be taken to deal with tariffs

It has been 35 years since economic reforms but have we been able to create even one such brand which is global like the brands of America, Japan, Germany and Korea? For years we have been coding, making and running Google, Microsoft, Facebook and Apple but why could we not create our own Baidu, WeChat, TikTok and Huawei like China? There is a story in Panchtantra. There lived three fish in a pond- Anagat Vidhata, Pratyutpannamati and Yadbhavishya. Anagat Vidhata used to find a solution before the problem came. Pratyutpannamati used to do something when the problem came and Yadbhavishya used to depend on fate. You can consider China as Anagat Vidhata and India as Pratyutpannamati, which starts activating its hands and feet only when the crisis is near. We became independent with Gandhiji's slogan of self-reliance, but work on the Green Revolution for self-sufficiency in food was not started until we faced a severe food crisis. Economic reforms were not done until the country was on the verge of bankruptcy in 1991 due to protectionism and license raj. Similarly, we did not remember the idea of ??self-reliance in industries until the Covid pandemic brought the economy to a standstill. Now Trump's unexpected policy has created a crisis for us on the foreign trade and foreign policy front, for the solution of which the talk of self-reliant India is being repeated. Despite the tariffs being declared illegal by his own central court, President Trump has increased the tariff imposed on India from 25 to 50 percent, putting aside 25 years of strategic and economic relations. Not only this, fronts are also being opened to target India's service sector. Every year, the US Congress gives 65,000 visas for trained professionals and 20,000 visas for higher education, out of which about 70 percent visas are obtained by Indian professionals and students. Since Indian companies send their trained employees to the US through H-1B visas to provide services, the Trump government wants to curb this. Although professionals on H-1B visas work in Trump's own business, his Commerce Minister Howard Lutnick and Florida Governor Ron DeSantis see the H-1B visa system as a scam. Governor DeSantis has even said that India has made it a cottage industry to exploit the American system. The Trump government is also going to impose strict time limits on F visas for international students and J visas for exchange students. Gold cards worth $5 million are being introduced in place of Green Cards, with the help of which Trump wants to repay America's debt. This attitude of the Trump government towards trade and immigration may seem dramatic, but it is not unexpected. Clear indications of this were already visible from his first term's work and election campaign. There were tensions in Trump's previous term as well on the issue of India's high import duty rates and H-1B visa. His protectionist attitude towards future and cutting-edge technology is also not new, but India did not make any preparations to deal with them in time. America is the world's largest and most important market in terms of purchasing power, consumption and economic and political stability. Indian traders took full advantage of the entry they got in it according to their capacity, but were we able to create an alternative market where Indian traders could sell their goods in case of political or economic obstacles in America? The market of the European Union could have become a good alternative to America. Anticipating the current situation, China increased its trade with Europe more than even with America, but India has been stuck on a free trade agreement with Europe for the last three years. China also expanded its trade in the markets of ASEAN. That is why when Trump threatened tariffs, China, without getting involved in a war of words, forced Trump to bow down by first imposing an equal tariff and then stopping the export of rare minerals and magnets needed for high technology. India is also now trying to increase trade with countries like Europe, Japan, South Korea, Russia, Australia and to become self-reliant in areas like defense, energy, medicine, semiconductors and AI. The Prime Minister had announced a package of 20 lakh crores for this in May 2020, but did it lead to any progress? Like a quick-witted fish, we definitely make some reforms when a crisis looms. We name a few, but forget them after the crisis is over. The need is to continue them. The Prime Minister told industrialists in Japan, 'Come, Make in India', but are we ready to make the necessary economic reforms, land reforms, labor reforms and work culture reforms for that? Strikes are negligible in Japan and there is no sabotage. Is such a work culture possible in India? Reforms are also needed in agriculture and public sectors. China has developed sixth generation fighter aircraft by manufacturing its own engines. Whereas we have spent 40 years in manufacturing Tejas using foreign engines. China uses automation, AI or machine intelligence and optimal process under administrative supervision in manufacturing its products. To compete with its products in the world markets, India will have to adopt an even more efficient production process. It has been 35 years since the economic reforms, but have we been able to create even one brand that is global like the brands of America, Japan, Germany and Korea? We have been coding, creating and running Google, Microsoft, Facebook and Apple since long, but why couldn't we create our own Baidu, WeChat, TikTok and Huawei like China? China created half a dozen AI models in response to Chat GPT, but India couldn't create even one. The reason for this is that India doesn't pay full attention to experimental education and research. India can't become a power until education is improved.

Why objection to NCERT's initiative? NCERT has shown the very circumstances that gave rise to the divisive mentality

Reducing the date of transfer of power from June 1948 to August 1947 and giving only five weeks for the determination of boundaries was gross negligence. Cyril Radcliffe, who was entrusted with the responsibility of demarcating the boundaries, was neither familiar with the geographical realities of India nor with the cultural complexities. The events of history give direction to the present and the present learns lessons from them and lays a strong foundation for the future. Unfortunately, in the history and textbooks taught in our schools, events and facts are often presented by disconnecting them from reality on the basis of false ideals, emotional slogans and party prejudices. Whenever an attempt was made to write or teach history in an authentic and objective manner, it had to face unnecessary controversy and uproar. In this background of reforms, NCERT has released two special supplementary educational modules for students of classes 6 to 8 and 9 to 12 with the aim of explaining the horrors of partition and the tragedy arising from it in an unbiased way. These will not be included in the compulsory syllabus, but through discussion, a subtle and deep understanding of the then circumstances will be developed. In these modules, Mohammad Ali Jinnah, Lord Mountbatten and Congress have been blamed for the partition. Who does not know that Jinnah's blind ambition, greed for power and politics of separate identity played a decisive role in inciting the communal sentiments growing among Indian Muslims. The seeds of divisive politics were already present in the thoughts of leaders like Sir Syed Ahmed Khan, Mohammad Iqbal, Chaudhary Rahmat Ali, Mohammad Ismail. Their thinking was nourished by that political Islam, which in principle denied the possibility of a permanent or equal relationship with non-Muslims. They believed that how could the followers of Islam, which had ruled India for centuries, live in a secular India with a Muslim majority population? In the early years of the 20th century, only sporadic voices demanding a separate country were heard from Muslim leaders, but after the Lahore resolution of March 1940, the demand for partition under the leadership of the Muslim League started getting widespread public support. The 'Direct Action Day' declared by Jinnah on 16 August 1946 almost decided the direction of partition. Several thousand people were killed in Calcutta (Kolkata) alone, while in Noakhali (Bengal) on 10 October 1946, a pre-planned massacre of innocent and unarmed Hindus took place under the leadership of Ghulam Sarwar Hussaini. At that time, there was an interim government of the Muslim League in Bengal and Hussain Suhrawardy was the Chief Minister. The massacre of Noakhali was not the result of any sudden frenzy, but a well-planned conspiracy. The then Congress leadership surrendered to the threat of Jinnah and Muslim League – 'Divided India or ruined India'. Jinnah succeeded in convincing a large section of Muslims that they were permanently different from Hindus on all grounds like religion, culture, customs, history and outlook on life. This was the reason that in the Constituent Assembly elections of 1946, the Muslim League won 73 out of 78 seats reserved for Muslims. The Muslim League got almost 100 percent seats in Madras, Bombay Presidency and Orissa, 95 percent in Bengal, 93 percent in Central India, 91 percent in Assam, 86 percent in undivided Punjab, 85 percent in Bihar and 82 percent in the United Province. A large number of Muslims who supported the demand for a separate country on the basis of religion remained in India even after the partition, while about 1.5 crore Hindus, Sikhs and Sindhis who came to India from Pakistan kept wandering from door to door as refugees in their own country. In the violence that arose from the partition, more than one million innocent people were killed, lakhs of families were displaced from their ancestral property and the atrocities against mothers and sisters crossed all limits of savagery and inhumanity. This biggest displacement in human history did not happen due to any natural disaster or external attack. Our own people were mainly responsible for this. There was no proposal of partition in the Cripps Mission of 1942 and the Cabinet Mission of 1946, yet why was the Mountbatten Plan immediately accepted on 3 June 1947, this question still disturbs the Indian public. It is clear from the 133 meetings held by Mountbatten with the leaders of the Congress and the Muslim League between March and August 1947 that the partition happened with their consent. Reducing the date of transfer of power from June 1948 to August 1947 and giving only five weeks for determining the boundaries was gross negligence. Cyril Radcliffe, who was entrusted with the responsibility of drawing the border, was neither familiar with the geographical realities of India nor with its cultural complexities. If NCERT is taking the initiative to outline the circumstances of partition, then why should anyone object? Remember that a nation that does not learn from its past is doomed to repeat it. Therefore, a correct study of history is necessary. Jinnah succeeded in convincing a large section of Muslims that they were permanently different from Hindus on all grounds like religion, culture, customs, history and outlook on life. This was the reason that in the Constituent Assembly elections of 1946, the Muslim League won 73 out of 78 seats reserved for Muslims. The Muslim League got almost 100 percent seats in Madras, Bombay Presidency and Orissa, 95 percent in Bengal, 93 percent in Central India, 91 percent in Assam, 86 percent in undivided Punjab, 85 percent in Bihar and 82 percent in the United Province. A large number of Muslims who supported the demand for a separate country on the basis of religion remained in India even after the partition.

नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती युवक ने साथी को गला रेतकर उतारा मौत के घाट

मुरादाबाद- सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की रामगंगा बिहार केसरी कुंज कॉलोनी स्थित नशा मुक्ति केंद्र में मंगलवार की रात उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक ने अपने ही साथी की गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात के बाद कॉलोनीवासियों में दहशत फैल गई और उन्होंने नशा मुक्ति केंद्र को कॉलोनी से हटाने की मांग की।सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि हत्या आरोपी भानु प्रताप सिंह

जिला अमरोहा का रहने वाला है और पिछले आठ महीने से उक्त नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती था। जबकि मृतक अरुण पटेल बरेली का रहने वाला था, जिसे 13 अगस्त को केंद्र में भर्ती किया गया था। मंगलवार को ही भानु प्रताप के पिता सत्यवीर सिंह मुलाकात करने आए थे और दवाइयां देकर लौट गए थे। रात लगभग 9 बजे भानु प्रताप ने अरुण पटेल को कमरे में बुलाया और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया।इसके बाद खिड़की का शीशा तोड़कर उसी से अरुण पटेल का गला रेत दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सीओ कुलदीप कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है, वहीं आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। कॉलोनीवासियों ने नशा मुक्ति केंद्र की गतिविधियों से लगातार हो रही परेशानियों का हवाला देते हुए प्रशासन से मांग की है कि केंद्र को कॉलोनी से हटाया जाए।

अमेरिका से आया तोहफा ! कस्टम अधिकारी बनकर शिक्षिका को लगाया 94.78 लाख का चूना

मुरादाबाद- थाना कटघर के लाजपतनगर चौकी क्षेत्र निवासी शिक्षिका ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि बीती 25 जुलाई को उसने मेट्रीमोनियल साइट शादी डॉट कॉम पर प्रोफाइल बनाई थी। उसी दिन उसके पास एक अनजान नंबर से वाट्सएप मैसेज आया। मैसेज करने वाले ने खुद का परिचय अमेरिका में रहने वाले आरव सिंह के रूप में दिया। उसने कहा कि भारत में पैदा हुआ हूं और शिक्षा अमेरिका में हुई है। बताया कि वह जनरल सर्जन एमबीबीएस है और 15 साल से अमेरिका के ही हास्पिटल में जॉब कर रहा है। दो दिन बाद शिक्षिका के पास उसने मैसेज किया कि अमेरिका से पार्सल भेजा है। शिक्षिका के अनुसार उसके बाद उसके पास अलग-अलग नंबरों से वाट्सएप कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को दिल्ली से कस्टम अधिकारी बताया। उन्होंने शिक्षिका से कहा कि आरव सिंह के नाम से आपका पार्सल आया है, जिसमें काफी गोल्ड के साथ डायमंड रिंग और अमेरिकन करेंसी है। इसके बाद कहा कि पार्सल के लिए आपको 30 हजार रुपये का भुगतान करना होगा। शिक्षिका ने पार्सल आने की बात सच मान कर विश्वास करके सामने वाले के बताए नंबर पर 30 हजार रुपये भेज दिए। बाद में उन्हीं नंबरों से कॉल कर और डिमांड की जाने लगी। मना किया तो कॉल करने वालों ने डराना शुरू कर दिया।कहा कि भुगतान नहीं करने पर मनी लॉड्रिंग का केस लग जाएगा। डरकर रकम ट्रांसफर करती रही। आरोपियों ने शिक्षिका के तीन अलग-अलग बैंक खातों से 31 जुलाई से 18 अगस्त के बीच कुल 94 लाख 78 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। मना किया तो आरोपी आरव सिंह ने कहा कि यदि रुपये नहीं भेजे तो फोटो एडिट कर वायरल कर दूंगा। जिसके बाद शिक्षिका ने साइबर थाना पुलिस में शिकायत की। एसपी क्राइम सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि तहरीर के आधार पर साइबर थाना पुलिस ने धोखाधड़ी कर रकम हड़पने और आईटी एक्ट का केस दर्ज किया है।

किशोरी का अपहरण कर रेप मामले में दोषी को 20 साल की कैद

मुरादाबाद- एडीजे आठ की कोर्ट ने किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में दोषी को 20 वर्ष की सजा और 2.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। मामला सिविल लाइंस थाना क्षेत्र से जुड़ा है। f

सविल लाइन थाना क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी पिता ने आरोप लगाया था कि दो सितंबर 2023 को उसकी बेटी को मेरठ के थाना लोहियानगर निवासी अब्दुल कादिर उसका अपहरण करके ले गया। इस मामले में तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। बाद में पुलिस ने किशोरी को बरामद किया था।

किशोरी के बयानों के आधार पर पुलिस ने दुष्कर्म की धारा जोड़ दी थी। जिसके बाद पुलिस ने विवेचना के बाद चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी थी। जिसकी सुनवाई एडीजे आठ की कोर्ट में हो रही थी।

मंगलवार को कोर्ट ने अब्दुल कादिर को 20 वर्ष का कारावास व 2.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

284 मिलीमीटर बारिश ने तोड़ा कई वर्षों का रिकॉर्ड

मुरादाबाद- 24 घंटे में 284 मिलीमीटर की रिकॉर्ड बारिश ने कई वर्षों को पीछे छोड़ दिया है। सोमवार को मूसलाधार बारिश से महानगर तालाब बन गया था। हर ओर सिर्फ पानी ही दिख रहा था। हालांकि मंगलवार को बारिश थोड़ी देर के लिए हुई। जलभराव की स्थिति अभी भी कई कॉलोनियों में बनी रही। कई विद्यालयों में पानी घुसने से जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला

बेसिक शिक्षाधिकारी ने नर्सरी से लेकर कक्षा 12 के सभी बोर्ड से संचालित स्कूलों में अवकाश घोषित किया था। मौसम के भारी बारिश के अलर्ट को देखते हुए मंगलवार को सभी नर्सरी से 12वीं तक के सभी स्कूलों में अवकाश रहने से छात्रों व अभिभावकों को राहत मिली। क्योंकि कई स्कूलों में पानी भरने व छत टपकने से समस्या बनी रही। वहीं टूटी सड़कों के गड्ढों में पानी भरने से हादसे का डर बना रहा। जिले में कुल 284.86 मिलीमीटर बारिश 24 घंटे में हुई जिसने पिछले कई वर्षों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। कलेक्ट्रेट स्थित जिला आपदा कंट्रोल रुम से मिली जानकारी के अनुसार सर्वाधिक बिलारी तहसील में 100 मिलीमीटर हुई। जबकि सबसे कम ठाकुरद्वारा तहसील क्षेत्र में 41 मिलीमीटर वर्षा हुई। मुरादाबाद सदर तहसील क्षेत्र में 72.70 और कांठ तहसील क्षेत्र में 71.16 मिलीमीटर बारिश हुई। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण 24 घंटे मानीटरिंग कर रहा है। संभावित स्थिति से निपटने के लिए तहसील प्रशासन को सतर्क किया गया है।नदियों का जलस्तर रामगंगा कटघर रेलवे पुल 188.680 मीटर चढ़ाव रामगंगा नदी कालागढ़ डैम 358.250 मीटर चढ़ाव गागन मुरादाबाद 191.00 मीटर चढ़ाव

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में मंडल स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक संपन्न।

मुरादाबाद- जिलों में जिलाधिकारी की अनुमति के बिना औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण नहीं कर सकेंगे अधिकारी, जिला उद्योग केंद्र को भी देनी होगी सूचना- मंडलायुक्त मंडलायुक्त श्री आञ्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में मंडल स्तरीय उद्योग बंधु की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। मंडलायुक्त ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी विभागीय अधिकारी जिलाधिकारी की पूर्व अनुमति और उद्योग विभाग के अधिकारियों को सूचित किए बिना

उद्यम इकाइयों का निरीक्षण नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि उद्योगों के संचालन में उद्यमियों को अनावश्यक असुविधाओं का सामना न करना पड़े, इसके लिए यह बेहद जरूरी है कि उद्यम इकाइयों के निरीक्षण के लिए व्यवस्थित प्रणाली लागू होनी चाहिए। रामगंगा नदी पर रामपुर को जोड़ने वाला एक ही सेतु है, इस सेतु पर किसी कारणवश जाम लगने की वजह से लोगों को आवागमन के दौरान काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सेतु निगम के अधिकारियों को एक अन्य सेतु के निर्माण के लिए शासन को प्रस्ताव भेजने के लिए निर्देशित किया। गागन नदी क्षेत्र को भी अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए मंडलायुक्त ने नगर निगम और सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मंडल में मार्गों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होना चाहिए, इसके लिए उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को प्रभावी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। मंडलायुक्त ने डियर पार्क के संचालन के संबंध में पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की स्थिति को लेकर समीक्षा की तथा वन विभाग और नगर निगम के अधिकारियों को डियर पार्क के संचालन में आ रही रुकावटों को दूर कराने के निर्देश दिए। डोलरा गांव निकट दलपतपुर में ड्राइपोर्ट परियोजना के लिए सड़क के चौड़ीकरण के सम्बन्ध में समीक्षा के दौरान अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी ने बताया कि इस प्रकरण में प्रस्ताव तैयार कर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के लिए शासन को भेज दिया गया है। शासन स्तर से मंजूरी मिलने के साथ ही नियमानुसार कार्य प्रारंभ करा दिया जाएगा। पूर्व में कांठ रोड पर स्वीकृत इंफ्रा लाइफ इंडस्ट्रियल प्लेज पार्क के संपर्क मार्ग को अवैध कब्जा मुक्त कराया गया था। इस अवैध कब्जे से मुक्त कराए गए मार्ग पर पुन: अतिक्रमण किए जाने की शिकायत पर मंडलायुक्त ने एसडीएम सदर को अवैध अतिक्रमण करने वाले के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान अपर आयुक्त प्रथम श्री सर्वेश गुप्ता, अपर आयुक्त द्वितीय श्री शशि भूषण, संयुक्त आयुक्त उद्योग श्री योगेश कुमार के साथ साथ अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं उद्यमी गण मौजूद रहे।

मंडी समिति में ध्वस्त किया 15 दुकानों का अतिक्रमण

मुरादाबाद- संभल शहर की कृषि उत्पादन मंडी समिति में दुकानदारों ने प्रशासन की चेतावनी के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाए तो मंगलवार को बुलडोजर एक्शन कर 15 दुकानों के अवैध अतिक्रमण ध्वस्त किए गए। दुकानदारों ने अवैध रूप से कमरे व स्टोर बना लिए थे जिन्हें बुलडोजर ने जमींदोज कर दिया। शासन के निर्देश पर संभल की कृषि उत्पादन मंडी समिति में अवैध अतिक्रमण को लेकर पिछले काफी दिनों से कार्रवाई चल रही थी। मंडी चिह्नित किया था। इन दुकानदारों को अपना अधिकांश दुकानदारों ने अपने अतिक्रमण तोड़ लिए नहीं दी। प्रशासन ने 10 दिन की अतिरिक्त समय अतिक्रमण नहीं हटाए गए। इसके बाद मंगलवार कुमार व एसडीएम विकास चंद्र पुलिस बल के कार्रवाई शुरू कर दी। बुलडोजर ने अतिक्रमण इकट्ठा हुए और दबाव बनाकर कार्रवाई को रोकने दिया कि अब अभियान शुरू हुआ है तो सारे शेड व अन्य निर्माण ध्वस्त बुलडोजर ने पहले से

समिति में प्रशासन की टीम ने 70 दुकानों पर अतिक्रमण अतिक्रमण खुद तोड़ लेने के लिए नोटिस जारी किए गए थे। लेकिन 15 दुकानदारों ने प्रशासन की चेतावनी को तवज्जो सीमा अतिक्रमण हटाने के लिए दी लेकिन उसके बाद भी को बुलडोजर एक्शन शुरू किया गया। सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर साथ बुलडोजर लेकर कृषि उत्पादन मंडी समिति पहुंचे और तोड़ना शुरू किया तो दुकानदारों में हड़कंप मच गया। दुकानदारी का प्रयास किया। लेकिन प्रशासनिक अफसरों ने साफ कह अतिक्रमण तोड़ने के बाद ही खत्म होगा। बरामदे, कमरे, टिन चिन्हित अतिक्रमणों को तोड़ना शुरू किया तो एक के बाद एक दुकानों के आगे बने बरामदे, कमरे, टिन शेड व अन्य निर्माण ध्वस्त कर दिए गए। सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार ने बताया कि नोटिस के बाद भी जहां से अतिक्रमण नहीं हटाया गया था उन 15 दुकानों का अतिक्रमण बुलडोजर से तोड़ा गया। एक दुकान पर सिविल कोर्ट का स्टे था इसलिए उसका अतिक्रमण तोड़ने की बजाय दुकान को सील कर दिया गया है। अतिक्रमण हटाने से संवरेगी मंडी की तस्वीर कृषि उत्पादन मंडी समिति में पिछले कुछ सालों में हर तरफ अतिक्रमण का माहौल बना तो मंडी बदसूरत हो गई थी। अब प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है तो मंडी समिति की सड़क चौड़ी नजर आने लगी है। सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार ने बताया कि अतिक्रमण को पूरी तरह से हटाकर मंडी को स्वच्छ सुंदर और व्यवस्थित बनाने का काम किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बैंक में CBI ने मारा छापा...मैनेजर 30 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

चंदौसी के संभल गेट स्थित प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक में सीबीआई की टीम ने छापेमारी कर 30 हजार की रिश्वत लेते हुए बैंक प्रबंधक को पकड़ा है। टीम ने बैंक प्रबंधक व फील्ड

ऑफिसर के घरों पर भी सघन तलाशी ली है। देर रात तक टीम कार्रवाई में जुटी रही। मंगलवार को दोपहर 1:30 बजे बैंक के बाहर सीबीआई की टीम घूमती रही। दोपहर बाद 3:45 बजे टीम ने बैंक में प्रवेश किया तो बैंक मैनेजर पिंकेश और फील्ड ऑफिसर को युवक से लोन स्वीकृत करने के नाम पर तीस हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिय। बैंक मैनेजर व फील्ड ऑफिसर द्वारा लोन मंजूर करने की एवज में रिश्वत मांगने की शिकायत सीबीआई से की गई थी। बैंक में कार्रवाई के साथ ही सीबीआई की टीम ने मैनेजर और फील्ड ऑफिसर के घर पर भी छापे मारे। देर रात तक दोनों से टीम पूछताछ करती रही। सीबीआई अधिकारी मीडिया से बात करने से बचते रहे। कहा गया की कार्रवाई पूर्ण होने के बाद वह गाजियाबाद कार्यालय से कार्रवाई का प्रेस नोट जारी करेंगे।

गणपति विसर्जन के दौरान रामगंगा में बहे दो भाई, परिजनो का रो-रोकर बुरा हाल

मुरादाबाद- बिजनौर जिले में गणपति प्रतिमा विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा हो गया है। दो भाई रामगंगा नदी के तेज प्रवाह में बह गये। पुलिस क्षेत्राधिकारी आलोक सिंह ने बुधवार को

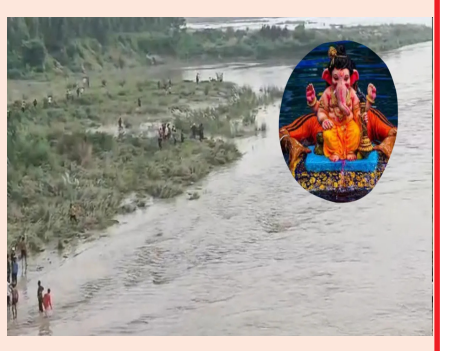

बताया कि भूतपुरी के रामगंगा नदी घाट पर मंगलवार शाम श्रद्धालुओं का जत्था गणपति की मूर्ति विसर्जित कर रहा था। इसी जत्थे में शामिल धर्मेन्द्र (36) और विजेन्द्र (34) विसर्जन के दौरान पानी के तेज बहाव में बह गये। उन्होंने बताया कि गोताखोरों की मदद से दोनों भाइयों की तलाश की जा रही है।

बिजनौर में नायब तहसीलदार ने खुद को मारी गोली, हालत गंभीर! तहसील परिसर में अफरा-तफरी

मुरादाबाद- उत्तर प्रदेश के बिजनौर से एक सनसनीखेज खबर सामने आई है। सदर तहसील के नायब तहसीलदार राजकुमार ने खुद को गोली मार ली। घटना तहसील परिसर स्थिति नायब के आवास की है। गोली लगते ही नायब तहसीलदार जमीन पर गिर पड़े।

चीख-पुकार और अफरातफरी मच गई। आनन फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी है घटना की सूचना लगते ही डीएम जसजीत कौर और एसपी पुलिस फोर्स के साथ नायब तहसीलदार के घर पहुंचे। घटनास्थल को सील करके जांच शुरू कर दी है। शुरुआत जानकारी के आधार पर कहा जा रहा है कि उन्होंने खुद ही गोली मारी है। हालांकि नायब ने इतना घातक कदम क्यों उठाया? अभी ये साफ नहीं हो सका है। पुलिस-प्रशासन के अधिकारी जांच में जुटे हैं। इस घटना ने सदर तहसील को हिलाकर रख दिया है। हर कोई यही सवाल कर रहा है कि आखिर नायब ने ऐसा कदम क्यों उठाया? बहरहाल पुलिस की टीम जांच में जुटी है। घटना की जानकारी मिलते ही डीएम जसजीत कौर, एसपी और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने नायब की रिवॉल्वर कब्जे में ले ली है। घटना को हर बिंदु पर जांचा-परखा जा रहा है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

एक बार फिर वॉलीबॉल में चैंपियन बना एफआर इस्लामिया इंटर कॉलेज चैंपियन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बुधवार को जनपदीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन एफ आर इस्लामिया इंटर कॉलेज बरेली में आयोजित किया गया। जिसमें अंडर-19 वर्ग में 9 टीमों ने प्रतिभाग किया और अंदर 17 में पांच टीमों ने प्रतिभाकिया और अंडर 14 में 4 स्कूल के बच्चों ने प्रतिभाग़ किया मैच का शुभ आरंभ इस्लामिया इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य तौकीर सिद्दीकी और राजकीय इंटर कॉलेज बरेली के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश राजभर और चंद्रशेखर आजाद इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य और इस्लामिया इंटर कॉलेज के शारीरिक शिक्षक शाहिद रज़ा और वरिष्ठ प्रवक्ता और सभी स्टाफ ने मिलकर नेट पर बांधी बाल काटकर शुभारंभ किया और तीनों प्रधानाचार्य ने वॉलीबॉल सर्विस भी की और सभी बच्चों को आशीर्वाद दिया और अपने जिले का अपने स्कूल का मंडल में होने वाली प्रतियोगिता मैं भी जीतने का हौसला अफजाई की इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए अंडर-19 में फाइनल मैच का मुकाबला इस्लामिया इंटर कॉलेज और राजकीय इंटर कॉलेज के बीच हुआ। जिसमें इस्लामिया इंटर कॉलेज ने राजकीय इंटर कॉलेज को हरा दिया । इस्लामिया ने फाइनल अपने नाम किया अंदर 17 का फाइनल मुकाबला इस्लामिया इंटर कॉलेज और भारत इंटर कॉलेज भोजीपुरा के बीच फाइनल मैच हुआ जिसमें इस्लामिया इंटर कॉलेज ने भारत इंटर कॉलेज को मैच हराकर फाइनल अपने नाम किया उसी क्रम में अंदर 14 वर्ग दो स्कूल और तीन स्कूल के बच्चे ट्रायल के रूप में प्रतिभाग़ किया जिसमें अंदर 14 की ट्रायल के बेस पर टीम नियुक्त की गई बाकी के सभी बच्चों ने अपना खेल का प्रदर्शन करते हुए और अपना अच्छा प्रदर्शन जिसने किया है उसके हिसाब से बच्चों ने अपनी अपनी मंडल के लिए जगह बनाई फाइनल मुकाबला के बाद इस्लामिया इंटर कॉलेज के प्रवक्ता शारीरिक शिक्षक शाहिद रज़ा ने सभी बच्चों को प्रमाण पत्र दिए और सभी बच्चों को मंडल प्रतियोगिता के लिए आशीर्वाद दिया। चयनित बच्चे 8 सितंबर को पीलीभीत में प्रतिभाग़ करेंगे। निर्णायक की भूमिका निभा रहे मोहम्मद उजैर कमल तिवारी सादिक रज़ा राजा अरबाज शान अली जुनैद अश्करी हैदर सोहेल इस्लामिया का स्टाफ में नदीम मुजफ्फर मुशाहिद रजा बृजेश शर्मा आर बी तिवारी रोहित कुमार सुरेंद्र पंकज राहुल अभिषेक आरिफ आदि लोगों का सहयोग रहा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

बरेली जंक्शन से साढ़े तीन साल की बच्ची का अपहरण, सीसीटीवी फुटेज से खुला राज

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । बरेली जंक्शन पर एक सनसनीखेज मामला सामने आया, जहां ट्रेन का इंतजार कर रहे दंपति की साढ़े तीन साल की मासूम बच्ची को एक महिला उठाकर ले गई। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसके आधार पर जीआरपी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया। जानकारी के अनुसार, मुरादाबाद निवासी मुनीश 28 अगस्त की रात अपनी बेटी ऋषिका की दवा लेने के लिए बरेली आया था। देर रात जब वह ट्रेन का इंतजार कर रहा था, तो थकान के चलते प्लेटफार्म पर चादर बिछाकर सो गया। इस दौरान उसकी पत्नी किसी काम से प्लेटफार्म के बाहर चली गई थी। तभी मौके का फायदा उठाकर कुसुम नाम की महिला ने पहले बच्ची को बहलाया-फुसलाया और फिर गोद में उठाकर वहां से फरार हो गई।पूरा घटनाक्रम बरेली जंक्शन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी ने जांच शुरू की और लगातार तलाश अभियान चलाया। आखिरकार 5 दिन बाद बच्ची को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। पुलिस ने कुसुम और उसके पति ननुआ को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में कुसुम ने कबूल किया कि वह बच्ची को बेचने की नीयत से लेकर गई थी, लेकिन इससे पहले ही जीआरपी ने तत्परता दिखाते हुए पूरे गैंग का पर्दाफाश कर दिया और मासूम को बचा लिया।

तीन दिवसीय रोवर एवं रेंजर शिविर का हुआ शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली।महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में बुधवार को त्रिदिवसीय रोवर एवं रेंजर शिविर का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मोहम्मद अकमल खान, पुलिस अधीक्षक (यातायात), बरेली रहे। स्टेट कमिष्नर स्काउट गाइड महाराजा अग्रसेन शिक्षा महामंत्री शशि भूषण से सम्मानित), प्राचार्य लीडर डॉ. नीतू शर्मा आकाश गंगवार द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ के 50 छात्र-छात्राओं ने पुष्पकान्त शर्मा ने नियम (हिस्ट्री आफ स्काउट प्रकार की गांठे लगाना परिस्थितियों में करना इस नारे को दिया तथा समस्त रोवर एवं रेंजर को दीक्षा बैज देकर दीक्षा का कार्यक्रम सम्पन्न कराया। रेंजर लीडर डॉ. नीतू शर्मा ने समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुए रोवर एवं रेंजर द्वारा विगत दो दिवसों में किए गए कार्यो से अवगत करवाया। उन्होंने अवगत कराया कि विगत दिवस में रोवर एवं रेंजर द्वारा टैंट पिचिंग एवं भोजन बनाने की दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। टैंट पिचिंग प्रतियोगिता का निर्णय निर्णायक मंडल के सदस्य संजय गुप्ता, डॉ. विपुल मेहरोत्रा, डॉ. के.के. अग्रवाल, संचित कक्कड़ एवं डॉ. नाजो बी ने किया। पाक कला प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. रेशू जौहरी, डॉ. गुन्जन अग्रवाल, डॉ. सोनल अग्रवाल, डॉ. पूजा अग्रवाल रहीं। प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने रोवर एवं रेंजर को अनुशासन की महत्ता को समझाया और कहा कि अनुशासित रहते हुए हम अपने देश की सेवा एवं प्रगति में अपना योगदान दे। मुख्य अतिथि मोहम्मद अकमल खान पुलिस अधीक्षक यातायात, बरेली, ने रोवर एवं रेंजर को अपनी संस्कृति एवं अपनी मातृभाषा के महत्व को बताया तथा उनसे राष्ट्र निर्माण में अपनी सहभागिता देने के लिए प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय के प्रबन्ध समिति के महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित ने शिविर में प्रतिभाग करने वाले समस्त छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं, संयमित एवं अनुशासित जीवन शैली को अपनाने के लिए कहा। आदित्य गोयल को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए श्रेष्ठ रोवर तथा निलोफर खान को सर्वश्रेष्ठ रेंजर के रूप में सम्मानित किया गया। टैंट पींचिग प्रतियोगिता के रोवर वर्ग में प्रथम पुरस्कार महाराजा अग्रसेन टोली तथा द्वितीय पुरस्कार रैपिड वॉरियर और रोवर वर्ग में प्रथम पुरस्कार आयरन लेडी टोली तथा द्वितीय पुरस्कार रानी लक्ष्मी बाई टोली को वहीं कुकिंग प्रतियोगिता के रोवर वर्ग में प्रथम पुरस्कार शेर टोली तथा द्वितीय पुरस्कार रैपिड वॉरियर टोली वहीं रेंजर वर्ग में प्रथम पुरस्कार शाइनिंग स्टार टोली तथा द्वितीय पुरस्कार रानी लक्ष्मी बाई टोली को दिया। रोवर लीडर डॉ. आकाश गंगवार ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए समस्त अतिथियों एवं मौजूद सभी प्रवक्ताओं का हृदय से धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में चीफ प्रॉक्टर डॉ. विपुल मेहरोत्रा, डॉ. के.के.अग्रवाल, डॉ. सोनल अग्रवाल, डॉ. पूजा अग्रवाल, शोभित अग्रवाल, संजीव कुमार सक्सेना, धीरज अग्रवाल, अजीत सिंह सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

राहुल गांधी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, कोर्ट ने फैसला किया सुरक्षित

इलाहाबाद हाईकोर्ट में बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अर्जी पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया है। वाराणसी की एमपी-एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में कथित तौर पर सिखों के खिलाफ टिप्पणी करने के मामले में मुकदमा दायर करने की अर्जी को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। इसको नेता प्रतिपक्ष गांधी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अर्जी पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया है। वाराणसी की एमपी-एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में कथित तौर पर सिखों के खिलाफ टिप्पणी करने के मामले में मुकदमा दायर करने की अर्जी को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। इसको नेता प्रतिपक्ष गांधी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इसके खिलाफ राहुल गांधी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। राहुल की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर बुधवार को सुनवाई के दौरान राहुल गांधी की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता जीएस चतुर्वेदी ने पक्ष रखा, जबकि सरकार की तरफ से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने बहस की। दोनों पक्षों की बहस को सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया है।यह है पूरा मामला यह मामला सितंबर 2024 का है। राहुल गांधी ने अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर कहा था कि भारत में सिखों के लिए माहौल अच्छा नहीं है, क्या सिख पगड़ी पहन सकते हैं, कड़ा रख सकते हैं और गुरुद्वारे जा सकते हैं? उनके इस बयान को भड़काऊ और समाज में विभाजनकारी बताते हुए विरोध हुआ था। वाराणसी निवासी नागेश्वर मिश्रा ने इस बयान के खिलाफ सारनाथ थाने में एफआईआर दर्ज कराने की कोशिश की लेकिन सफलता न मिलने पर उन्होंने अदालत का रुख किया। न्यायिक मजिस्ट्रेट (द्वितीय) ने 28 नवंबर 2024 को यह कहते हुए वाद खारिज कर दिया कि मामला अमेरिका में दिए गए भाषण से जुड़ा है और यह उनके क्षेत्राधिकार से बाहर है। इसके बाद नागेश्वर मिश्रा ने सत्र न्यायालय में निगरानी याचिका दाखिल की जिसे 21 जुलाई 2025 को विशेष न्यायाधीश (एमपी/एमएलए) की अदालत ने स्वीकार कर लिया। अब इस फैसले के खिलाफ राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दाखिल की है। दलील दी गई है कि वाराणसी अदालत का आदेश गलत, अवैध और अधिकार क्षेत्र से बाहर है। लिहाजा जब तक यह मामला हाईकोर्ट में लंबित है तब वाराणसी अदालत के आदेश पर रोक लगाई जाए।

जनकपुरी में 2 दिन विराजेगें बरेली के राजा गणपति बप्पा।

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनकपुरी स्थित शिवाजी पार्क इस वर्ष भी श्री गणपति बप्पा के आगमन का साक्षी बनेगा। ऑल इंडिया रियल फॉर कल्चरल एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी, मां गंगा बचाओ वेलफेयर सोसाइटी, महिला कल्याण समिति और भैरव सेवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में 4 और 5 सितम्बर 2025 को दसवां द ग्रेट गणपति महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। आयोजन को श्री गंगा, गौ, बेटी, पर्यावरण बचाओ देश बचाओ तथा रक्तदान महादान को समर्पित किया गया है। बुधवार को उपजा प्रेस क्लब में आयोजित वार्ता में संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रजनीश सक्सेना ने बताया कि पहले दिन 4 सितम्बर को भगवान गणपति जी की 6.5 फीट ऊँची मिट्टी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। कलश पूजन का कार्य आचार्य गोपाल कृष्ण ठाकुर के करकमलों से संपन्न होगा। शाम 5 बजे विशेष आकर्षण के रूप में गणपति बप्पा को 165 किलो लड्डू का भोग अर्पित किया जाएगा। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन संध्या, नाट्य मंचन, सम्मान समारोह और महाआरती के साथ सामाजिक संकल्प दिलाया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, बृज प्रांत के क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्गविजय सिंह शाक्य, सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, महापौर डॉ. उमेश गौतम, कैन्ट विधायक संजीव अग्रवाल, विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि व गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। महोत्सव के दूसरे दिन 5 सितम्बर को सुबह 10 बजे हवन-पूजन के उपरांत गणपति जी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा शिवाजी पार्क से प्रारंभ होकर जनकपुरी और राजेन्द्र नगर होते हुए रामगंगा घाट तक पहुंचेगी, जहाँ विधि-विधान से प्रतिमा विसर्जन किया जाएगा। प्रेस वार्ता में समिति अध्यक्ष के डॉ. रजनीश सक्सेना के साथ सी.एल. शर्मा, अनुपम कपूर, अंकुर सक्सेना, अखिलेश शर्मा, संजीव सक्सेना, कनिष्क शर्मा, अभिषेक सक्सेना, रवि सक्सेना, मनीष रस्तोगी, धीरज कुमार, चन्द्रभान सिंह, सचिन श्याम भारतीय, हरजीत कौर, डिम्पल मेहंदीरत्ता आदि ने सभी से अधिकाधिक संख्या में जुड़कर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बरेली। जिला स्तरीय शास्त्रीय संगीत में निर्मल बिष्ट ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के विश्वविद्यालय सांस्कृतिक केंद्र के संगीत क्लब से संबद्ध शास्त्रीय संगीत गायक निर्मल बिष्ट द्वारा उत्तर प्रदेश संगीत नाटक द्वारा आयोजित शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। ज्ञातव्य है कि उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी लखनऊ प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 2 तथा 3 सितंबर को संभागीय शास्त्रीय एवं सुगम संगीत की प्रतियोगिताओं का आयोजन बरेली में किया जा रहा हैद्य जिसमें शास्त्रीय गायन ,वादन ,कथक नृत्य तथा सुगम संगीत आदि प्रतियोगिताओं का संपादन किया जा रहा है । इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय सांस्कृतिक केंद्र के कल्चरल क्लब के विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे है। पिछले वर्ष अपर्णा मिश्रा द्वारा शास्त्रीय संगीत और नंदिनी द्वारा तबला वादन में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया गया था। इस वर्ष सांस्कृतिक केन्द्र से संबद्ध निर्मल बिष्ट द्वारा दिनांक 2 सितंबर 2025 को शास्त्रीय संगीत की प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया तथा सभी प्रतिभागियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।इसके जीत के बाद निर्मल द्वारा मंडल स्तर पर बरेली जिले का प्रतिनिधित्व किया जाएगा। निर्मल बिष्ट की इस सफलता पर कुलपति प्रो. के.पी. सिंह, कुलसचिव श्री संजीव कुमार सिंह, सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. ज्योति पाण्डेय, सांस्कृतिक समिति के सदस्यों डा इंद्रप्रीत कौर, डॉ. रीना पंत, डॉ.सौरभ वर्मा, डॉ.अतुल कटियार, कल्चरल क्लब के सदस्यों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों द्वारा शुभकामना और बधाई दी गई।

बदायूं में बड़ा हादसा: पानी भरी खंती में पलटी निजी बस, महिला की मौत, 12 यात्री घायल

बदायूं के दातागंज क्षेत्र में सवारियों से भरी निजी बस अनियंत्रित होकर पानी भरी खंती में पलट गई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई। 12 यात्री घायल हुए हैं। बदायूं जिले के दातागंज कोतवाली क्षेत्र में डहरपुर गांव के पास बुधवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार निजी बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पानी भरी खंती में पलट गई। हादसा होते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि 12 यात्री घायल हुए हैं। मृतका की पहचान अभी नहीं हो सकी है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, निजी बस दातागंज से बदायूं की ओर जा रही थी। डहरपुर गांव के पास बस अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खंती में पलट गई। खंती में पानी भरा होने से यात्री फंस गए। चीख-पुकार मचने पर आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। राहगीर भी रुक गए। लोगों ने काफी मशक्कत के बाद लोगों को बस से बाहर निकाला। तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह कुछ ही देर में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए और बचाव कार्य तेज किया गया। घायलों को एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। जहां एक महिला को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस मृतका की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। हादसे की वजह तेज रफ्तार बताई जा रही है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

पीलीभीत में बाढ़ शहर के कई मोहल्ले बने टापू, बीसलपुर मार्ग पर पहुंचा देवहा का पानी; पूरनपुर में शारदा का कहर

पीलीभीत जिले के कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। देवहा नदी का पानी बुधवार को बीसलपुर मार्ग पर बहने लगा, जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कत हुई। शहर के निचले इलाके पहले से ही पानी से घिरे हुए हैं। पीलीभीत जिले में भले ही बारिश थम गई हो, लेकिन लोगों की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। शहर हो या गांव हर ओर बारिश और बाढ़ का पानी भरा है। रास्ते जलमग्न और खेतों में फसलें बर्बाद होने लगी हैं। लोग घरों और छतों पर फंसे हैं। देवहा नदी उफनाने से शहर और उससे सटे निचले इलाकों के हालात बिगड़ गए। टनकपुर हाईवे से लेकर निचले इलाके की कई कॉलोनी और अन्य इलाकों में दो से तीन फुट पानी भर गया। बुधवार को देवहा नदी का पानी पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग पर पहुंच गया। जिससे लोगों को आवागमन में मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। उधर, पूरनपुर क्षेत्र में शारदा नदी का कहर जारी है।

उत्तर प्रदेश जनपद पीलीभीत मझोला शिवनगर कॉलोनी ग्राम भंडारा तहसील अमरिया का बड़ा मामला

क्यूँ न लिखूँ सच/ मोहम्मद सलीम / मझोला मिश्रा नगर कॉलोनी निवासी अशोक गंगवार सशस्त्र सीमा बल भोपाल में कार्यरत है अशोक कुमार के घर की छत के ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज 33 000 केवी लाइन से अशोक गंगवार का 8 वर्षीय पुत्र निर्भय गंगवार दोस्तों के साथ खेल रहा था वह बाल उठाने अपनी छत पर चला गया तभी छत पर तीन से चार फीट की दूरी से गुजर रही हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आ गया गंभीर हालत होने पर दिल्ली एम्स में भर्ती किया गया था 25 दिन भर्ती रहने के बाद पुत्र निर्भय गंगवार की मृत्यु हो गई अशोक गंगवार एवं उनकी पत्नी पिछले 10 वर्ष से विद्युत विभाग एवं ग्राम प्रधान से लिखित शिकायत पत्र सहित उच्च अधिकारियों के चक्कर लगाते रहे पर किसी ने नहीं सुनी तत्कालीन केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी एवं राज्य मंत्री रियाज अहमद द्वारा लिखित पत्र को भी विद्युत विभाग के अधिकारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया अशोक गंगवार एवं उनकी पत्नी अपनी छत से गुजर रहे हाई वोल्टेज लाइन के तार हटवाने के संबंध में आल्हा उच्च अधिकारियों के चक्कर लगाते रहे पर किसी ने भी इस प्रकरण को गंभीरता से नहीं लिया जिसका खामियाजा अशोक गंगवार के पुत्र को अपनी जान गवा कर देना पड़ा यह समाज के लिए बेहद दुखद घटना है अगर विद्युत विभाग एवं प्रशासन समय से जाग होता तो यह हादसा टाला जा सकता था इसके पूर्व अशोक गंगवार ने कहा था कि यदि अगर मेरे बच्चे को कुछ होता है तो इसका जिम्मेदार सिर्फ और सिर्फ विद्युत विभाग एवं प्रशासन ही होगा अशोक गंगवार एवं उनकी पत्नी ने माननीय मुख्यमंत्री जी को लिखित शिकायत पत्र देकर इंसाफ दिलाने की मांग की है ताकि भविष्य में दोबारा ऐसी घटना ना घटे अशोक गंगवार ने ग्राम प्रधान सहित विद्युत विभाग एवं उच्च अधिकारियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं इस घटना से जनता में आक्रोश है

पिछोर में आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत दो दिवसीय प्रोसेस लैब प्रारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी, भारत सरकार की फ्लैगशिप योजना आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय ब्लॉक प्रोसेसिंग लैब (कार्यशाला) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अनुविभागीय अधिकारी ममता शाक्य द्वारा माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना कर छत्रसाल महाविद्यालय परिसर पिछोर में किया गया। यह कार्यशाला 03 एवं 04 सितम्बर तक आयोजित की जाएगी। आयोजन में नोडल अधिकारी के रूप में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पिछोर तथा सहायक नोडल अधिकारी के रूप में विकासखंड शिक्षा अधिकारी पिछोर को दायित्व सौंपा गया है। ब्लॉक मास्टर ट्रेनर के रूप में सत्येंद्र झा, राधिकावल्लभ भार्गव, आशीष परिहार, अमित धाकड़, जयप्रकाश बाथम, डॉ. पल्लवी सक्सेना और भारती वर्मा शामिल रहे। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी रामपाल बघेल, विकासखंड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता, जनजातीय कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पिछोर जनपद पंचायत की 57 पंचायतों को सात क्लस्टरों में विभाजित कर सभी क्लस्टरों के अधिकारी एवं कर्मचारियों को मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

अवैध रूप से संचालित मानक विहीन, क्लीनको एवं पैथोलॉजी लैबों पर स्वास्थ्य विभाग बेखबर

क्यूँ न लिखूँ सच/ अवैध रूप से संचालित मानक विहीन, क्लीनको एवं पैथोलॉजी लैबों पर स्वास्थ्य विभाग आखिर कब कार्यवाही करेगा। स्वास्थ्य विभाग की मनमानी के चलते अवैध पैथोलॉजी लैब संचालित की जा रही है। जहाँ न तो प्रशिक्षित स्टाफ है और न ही योग्य पैथोलॉजिस्ट डॉक्टर। तहसील अमरिया क्षेत्र में फर्जी और अवैध पैथोलॉजी लैबों की बाढ़ सी आ गयी है। ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रुप संचालित लैबों में जांच के नाम पर आम जनता की जेब जमकर ढांका ड़ाला जा रहा हैं। तहसील क्षेत्र अमरिया के ग्राम नगरिया कालौनी में सिद्धी पैथ लैब के नाम से पैथोलॉजी लैब संचालित की जा रही है। जहां पर ना तो किसी भी प्रकार का कोई बैनर है, ना हीं कोई अनुभवी एवं योग्य पैथोलॉजिस्ट डॉक्टर। ग्रामवासियों से ने बताया कि यह अबैध पैथोलॉजी लैब है जिसका न तो कोई पंजीकरण नही हैं। यहां बिना किसी मान्यता के जांचे की जाती है एवं झूठी रिपोर्ट तैयार कर मरीजों को गुमराह कर रहे हैं। जिससे ना केवल मरीजो को गलत इलाज मिलता है बल्कि गंभीर बीमारियों का भी समय रहते इलाज नहीं हो पाता। अगर यह लैब मानक के अनुसार संचालित होती तो यहां पर उस लैब का कोई भी बोर्ड या बैनर क्यो नही लगा है? इससे साफ जाहिर होता है की यह अबैध पैथोलॉजी लैब है। इस संबंध मे जब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरिया के प्रभारी डॉक्टर अनिकेत गंगवार से जानकारी ली गई तो उन्होंने ने बताया कि इस प्रकार की कोई भी लाइव संचालित होती है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

विद्या भारती द्वारा संचालित संकुल स्तरीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ मोहम्मद सलीम / चौधरी उमराव सिंह सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मझोला में विद्या भारती द्वारा संचालित संकुल स्तरीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया गया।

जिसका शुभारंभ विद्यालय के अध्यक्ष चौधरी वीरपाल सिंह ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन करके किया। सर्वप्रथम विद्यालय की प्रधानाचार्य श्री सत्येंद्र सिंह जी द्वारा सभी अतिथियों का परिचय कराया गया। तत्पश्चात सभी अतिथियों का तिलक लगाकर व पटका पहनाकर स्वागत किया गया। विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत गाया गया। पीलीभीत संकुल प्रमुख सुभाष कुमार ने संस्कृति महोत्सव के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान की कथा उसके उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष विद्या भारती द्वारा संस्कृति महोत्सव के अंतर्गत बाल वर्ग, किशोर वर्ग तथा तरुण वर्ग में साहित्यिक प्रश्नमंच, कथा कथन, आशु भाषण, अंताक्षरी, गीत, चित्र कला, स्वरचित कविता, लोक नृत्य आदि अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस वर्ष संस्कृति महोत्सव में पीलीभीत व शाहजहांपुर जिले के कुल ग्यारह विद्यालयों के दो सौ से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। उन्होंने बताया कि संकुल स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थी प्रांत स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करेंगे। विद्यालय के प्रतियोगिता प्रमुख अंकित कुमार सिंह ने बताया कि संस्कृति महोत्सव में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें साहित्यिक प्रश्नमंच बाल वर्ग, किशोर वर्ग तथा तरुण वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर जलालाबाद के विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गीत व कथा कथन में आर एस आर डी सरस्वती विद्या मंदिर पूरनपुर की सुप्रीति और आदर्श ने प्रथम, आशु भाषण किशोर वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर जलालाबाद की सृष्टि ने प्रथम स्थान तथा तरुण वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर तिलहर के छात्र शनि ने प्रथम स्थान, अंताक्षरी में सरस्वती विद्या मंदिर बीसलपुर ने प्रथम स्थान, कला में सरस्वती विद्या मंदिर बीसलपुर की छात्रा अदिति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्वरचित काव्य पाठ किशोर व तरुण वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर पुवायां कृतार्थ और अंजली ने प्रथम, मूर्ति कला बाल वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर पीलीभीत के छात्र गोपाल ने प्रथम स्थान तथा किशोर वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर जलालाबाद की रंजना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लोक नृत्य प्रदर्शन में सरस्वती विद्या मंदिर बीसलपुर के विद्यार्थियों ने बाजी मारी तथा आचार्य पत्रवाचन में सरस्वती विद्या मंदिर आर एस आर डी की आचार्या संगीता विजयी रही। निर्णायक के रूप में मझोला चेयरमैन निशांत प्रताप सिंह, ज्योति वंदन, तरुण कांत राय, गिरधारी लाल तथा शिशु मंदिर प्रधानाचार्य धनपाल सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के पूर्व अध्यक्ष बलविंदर सिंह ने सभी आगंतुको का आभार व्यक्त किया तथा सभी आगंतुकों को उपहार प्रदान करके सम्मानित किया। इस अवसर पर समस्त आचार्य बंधु, भगिनी, कर्मचारी तथा सभी छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत खंड स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी, जिले में आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत खंड स्तरीय ब्लॉक प्रोसेस लैब कार्यशालाओं का शुभारंभ आज बुधवार से सभी विकासखंडों में किया गया। जिला स्तरीय प्रोसेस लैब में प्रशिक्षित ब्लॉक मास्टर ट्रेनर्स इन कार्यशालाओं में प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। इसी क्रम में जनपद पंचायत शिवपुरी द्वारा आयोजित खंड स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ होटल सनराइज शिवपुरी में हुआ। कार्यक्रम में कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, एसडीएम शिवपुरी आनंद राजावत, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एन.एस. नरवरिया, आदिम जाति कल्याण विभाग के जिला संयोजक राजकुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी द्वारा भी मास्टर ट्रेनर्स को आवश?यक समझाइस दी गई। कार्यशाला में खंड स्तरीय विभागीय अधिकारियों को अभियान से जुड़े उद्देश्यों एवं अवधारणा से अवगत कराया गया। प्रत्येक विकासखंड हेतु एक जिला मास्टर ट्रेनर को नोडल बनाया गया। ब्लॉक मास्टर ट्रेनर्स द्वारा चयनित 15 से 20 आदिवासी ग्रामों के क्लस्टर से सातों विभागों के एक-एक मैदानी अमले को ब्लेज मास्टर ट्रेनर (बीएलसी) नामित किया गया है। इन मास्टर ट्रेनर्स द्वारा ग्राम स्तरीय केडर प्रतिभागियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागी आगे ग्रामवासियों को अभियान की जानकारी देंगे, बैठकों के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करेंगे, सामाजिक एवं संसाधन मानचित्रण, गांव का विजन प्लान तैयार कर ग्राम सभा से अनुमोदन करवाएंगे तथा प्रत्येक चयनित गांव में सेवा केंद्र की स्थापना करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

यीशु का चमत्कार...गूगल मीट पर प्रार्थनासभा, चर्च ऑफ गॉड नाम से ग्रुप और चैनल; डायरी-रजिस्टर में लिखा था ये

आगरा की शाहगंज पुलिस ने धर्मांतरण कराने वाले गिरोह के मुख्य आरोपी राजकुमार लालवानी और तीन महिलाओं सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी प्रार्थनासभा में लोगों को बहाने से बुलाते थे। ईसाई धर्म अपनाने पर बीमारी और गरीबी दूर करने का झांसा देते थे।आगरा में धर्मांतरण के मामले में गिरफ्तार आरोपी राजकुमार यूं ही धर्मांतरण नहीं करा रहा था। कई लोग रुपयों के लिए उसका साथ दे रहे थे। यह सभी अन्य लोगों को सभा में आने के लिए तैयार करते थे। गूगल मीट के माध्यम प्रार्थनासभा में जोड़ते थे। यूट्यूब चैनल पर वीडियो अपलोड करके ईसाई धर्म का प्रचार किया करते थे। सभा में कई शहरों के साथ ही स्पेन और दुबई के लोग भी जुड़ जाते थे। पुलिस ने आरोपी राजकुमार के पास से डायरी और रजिस्टर बरामद किए हैं। इनमें कई लोगों के नाम और नंबर की जानकारी मिली है। उसकी पड़ताल की जा रही है।डीसीपी सिटी ने बताया कि राजकुमार का साथ अनूप कुमार (पंचशील कालोनी, दौरेठा), जयकुमार (राधे हाईट्स, शास्त्रीपुरम), अरुण कुमार (बारह खंबा, सराय ख्वाजा) और कमल कुंडलानी (राहुल ग्रीन, दयालबाग) और आरोपी तीन महिलाएं दिया करती थीं। सभी लोग अलग-अलग इलाके में जाते थे। %एक बार सभा में आओगे तो होगा बहुत लाभ% गरीब और कम पढ़े लिखे लोगों से कहते थे कि एक बार सभा में आओगे तो बहुत लाभ होगा। सारे कष्ट दूर हो जाएंगे। कीर्तन से आत्मा को शांति मिलेगी। रविवार को कोई व्यक्ति सभा में आ जाता था तो उसे हिंदू धर्म की मान्यताओं को नहीं मानने के लिए कहा जाता था। खाने में मीट भी परोसा जाता था। लोगों को यीशु का चमत्कार दिखाकर विश्वास में लेता था राजकुमार दावा किया जाता था कि अगर ईसाई धर्म अपना लोगे तो पूरे परिवार की बीमारी और कष्ट दूर हो जाएंगे। राजकुमार लालवानी भी लोगों को यीशु का चमत्कार दिखाकर अपने विश्वास में लेता था। महिला साथियों की मदद से झाड़-फूंक का नाटक करता था। बीमारी दूर करने के लिए कई बार लोगों से पांच से दस हजार तक लिए जाते थे।आरोपियों से यह हुआ बरामद 15 बाइबिल, तीन ईसाई गीतों की किताब, चार डायरी, आठ कॉपी व रजिस्टर, छह मोबाइल, दो लग्जरी कार और 13,165 रुपये।चर्च ऑफ गॉड नाम से बनाया ग्रुप और चैनल राजकुमार हर दिन प्रार्थना में शामिल होने के लिए गूगल मीट का लिंक शेयर करता था। इसके माध्यम से सभी एक साथ जुड़ते थे। इसके बाद सभा होती थी। उसने अपना व्हाट्सएप पर चर्च ऑफ गॉड नाम से ग्रुप बना रखा है। इसमें 86 सदस्य जुड़े हुए हैं। उसने चर्च ऑफ गॉड नाम से अपना यूट्यूब चैनल भी बनाया है।इस पर वह रविवार के कार्यक्रम की वीडियो अपलोड करता था। इससे भी उन्हें फायदा हो रहा था। वह धार्मिक ग्रंथ बाइबल अनुयायियों को बांटता था। आरोपी राजकुमार ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह कई लोगों का धर्म परिवर्तन करा चुका है। गिरफ्तार आरोपी राजकुमार लालवानी चार साल पहले उल्हास नगर, महाराष्ट्र गया था। यहां पर हिंदू से ईसाई बन गया। अपने घर आने के बाद धर्म परिवर्तन कराने लगा। लोगों को विश्वास में लेकर बीमारी ठीक करने के नाम पर यीशु का स्मरण कराता था। इसके बाद बाइबल पढ़ने को कहता था। इसी के नाम पर पैसा भी लेता था। बच्चों की अच्छी पढ़ाई व किसी क्रिश्चियन मिशनरी में नौकरी दिलाने की बात करता था। इससे लोग झांसे में आ जाते थे।इनकी हुई गिरफ्तारी 1. राजकुमार लालवानी, निवासी केदार नगर, शाहगंज। 2. अनूप कुमार, निवासी पंचशील कॉलोनी, दौरेठा, शाहगंज। 3. कमल कुंडलानी, निवासी राहुल ग्रीन, दयाल बाग, न्यू आगरा।
4. जयकुमार, निवासी राधे हाइट्स, सिकंदरा। 5. अरुण, निवासी बारह खंबा, थाना शाहगंज। तीन महिलाओं की भी गिरफ्तारी हुई है।

यमुना का प्रकोप चरम पर- हर जगह पानी ही पानी, 2000 बीघा फसल डूबी, बाढ़ की दहशत....खाली कराए जा रहे गांव

यमुना नदी में आई बाढ़ से गांव, मंदिर और हजारों बीघा फसल जलमग्न हो गई। बस्तियों में तबाही का मंजर है और लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं।यमुना में बाढ़ की आशंका में गांव खाली कराए जा रहे हैं। मेहरा नहारगंज से मंगलवार को प्रशासन ने 40 परिवार विस्थापित किए हैं। निचले इलाकों में पानी भरना शुरू हो गया है। मोक्षधाम में चिता स्थल डूब गए हैं। नदी की तरफ खुलने वाले एत्माउद्दौला के कमरों में पानी भरा है। दो हजार बीघा से अधिक फसल डूब गई है। वॉटर वर्क्स पर यमुना चेतावनी स्तर से 1.5 फीट ऊपर बह रही है। मंगलवार रात आठ बजे जलस्तर 496.5 फीट था। बाढ़ नियंत्रण कक्ष की सुबह आठ बजे की रिपोर्ट के अनुसार हथिनीकुंड से मंगलवार को 2.07 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। वहीं गोकुल बैराज के सभी गेट खुल चुके हैं। गोकुल से आगरा की तरफ 1.02 लाख क्यूसेक पानी नदी में छोड़ा गया है। ओखला बैराज से 61,968 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया। डीएम अरविंद एम बंगारी के निर्देश पर मंगलवार रात एडीएम वित्त शुभांगी शुक्ला व एसडीएम सदर सचिन राजपूत ने बाढ़ संभावित क्षेत्रों का दौरा किया। मेहरा नहारगंज से 40 परिवार विस्थापित कराए। विस्थापितों के लिए सात बाढ़ चौकियां और आश्रय स्थल बनाए गए हैं। अगले दो दिन यमुना के जलस्तर में और वृद्धि होने की संभावना है। प्रशासन ने दयालबाग, बल्केश्वर, नरायच, ट्रांस यमुना से यमुना किनारे तक हाई अलर्ट जारी किया है। डीएम ने लोगों से नदी किनारे नहीं जाने, नाव नहीं चलाने और निचले इलाकों से ऊंचे स्थानों पर पहुंचने की अपील की है।बटेश्वर में ब्रह्मलाल महाराज के आचमन को कालिंदी बेताब उफनाई कालिंदी बटेश्वर में मंगलवार को ब्रह्मलाल महाराज के आचमन को बेताव दिखी। ब्रह्मलाल महाराज मंदिर और कालिंदी के बीच महज 2 सीढियों का फासला बचा है। एकादशी मंदिर कालिंदी के उफान के पानी से चारों ओर से घिर गया है। सेल्फी पॉइंट परिसर डूब गया। मंदिर के पूर्वी छोर पर 2 सीढ़ियां डूबने से बची हैं। पश्चिमी छोर पर घाट पर मंदिरों के फर्श को छूकर नदी बह रही है। यमुना नदी के उस पार भरतार गांव में बने रिसोर्ट तक पानी पहुंच गया है। मंदिर के पुजारी जय प्रकाश गोस्वामी, राकेश वाजपेयी ने बताया कि 3 साल पहले ब्रह्मलाल महाराज मंदिर में उफान का पानी घुस गया था। प्रवेशद्वार से बह रही यमुना नदी में श्रद्धालुओं ने खूब डुबकी लगाई थी। जैन मंदिर के रास्ते सड़क पर आए पानी में महिलाओं ने खूब स्नान किया था। कालिंदी का रौद्र रूप देखकर बटेश्वर के लोग बाढ़ के खतरे को लेकर डरे हैं। गांव में पानी आने की आशंका ने उनकी नींद उड़ा दी है।डीएम की अपील की अनदेखी... बटेश्वर में चलाई जा रही मोटरबोट डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने सोमवार को यमुना किनारे न जाने और नदी में नाव न चलाने की अपील की थी। डीएम की अपील को लेकर बटेश्वर में अनदेखी दिखी। बटेश्वर के घाट पर कल्यानपुर, भरतार गांव के लिए दिनभर मोटरबोट चली। यमुना नदी के तेज उफान और बहाव के बीच लोग जान जोखिम में डाल कर मोटरबोट से नदी पार करते रहे। इतना ही नहीं दोनों छोरो पर यात्री उफान के पानी से मोटरबोट में चढ़े और उतरे। पुलिस प्रशासन ने भी घाट पर चल रही मोटर बोट की ओर ध्यान नहीं दिया।उफनाई यमुना नदी विकराल होने से किनारे के गांवों के लोगों की नींद उड़ गई है। विक्रमपुर घाट गांव में उमेश और मुनीम की झोपड़ियां उफान के पानी में बह गई। लीलावती की झोपड़ी में पानी भर गया है। मवेशी भी यमुना के उफान के पानी में बंधे हैं। कई पशु बीहड़ में फंस गए हैं। प्राथमिक विद्यालय के गेट तक पानी भर गया है। जलमग्न रास्ते से शिक्षक और छात्र निकलने को मजबूर हैं।चरीथा, गगनकी, बड़ापुरा गांव तक पानी पहुंचने और उफान की रफ्तार तेज होने से ग्रामीण सहमे हैं। कचौरा घाट के शिव मंदिर में नदी के उफान का पानी घुस गया है। इसके अलावा खिलावली, गढ़ी बरौली, कोट, सिधावली, सुंसार, रघुवर पुरा गांव के बीहड़ से जुड़ने वाले खादर और कच्चे रास्तों पर पानी भर गया है। कल्यानपुर, भरतार गांव तीन तरफ से यमुना नदी के पानी से घिरे हुए हैं। यमुना के उफान के पानी में कछार की फसलें पहले ही नष्ट हो गई हैं।तराई के खेतों में पानी भरने से ग्रामीण किसान परेशान हैं। मंगलवार को बाह के एसडीएम संतोष शुक्ला, तहसीलदार संपूर्ण कुलश्रेष्ठ ने राजस्व टीम के साथ यमुना के उफान से प्रभावित गांवों का दौरा किया। उन्होंने बताया कि नदी किनारे के गांवों में मुनादी कराकर निचले इलाके खाली करने को कहा गया है।

डीएम-एसपी ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, सुरक्षा व मूलभूत सुविधाओं के पुख्ता इंतज़ाम

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार / उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (PET-2025) को नकलविहीन एवं शांति पूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है।जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने आचार्य नरेंद्र देव इंटर कॉलेज, सर्वोदय इंटर कॉलेज, एसआर पब्लिक स्कूल सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सीटिंग प्लान, पेयजल व्यवस्था, शौचालय, सीसीटीवी कैमरा व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। PET-2025 परीक्षा 06 एवं 07 सितम्बर 2025 को आयोजित होगी। परीक्षा दो पालियों में होगी-प्रथम पाली सुबह 10 से 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली 3 से 5 बजे तक। जनपद के कुल 16 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें 26,888 अभ्यर्थी शामिल होंगे। प्रत्येक पाली में औसतन 6,672 परीक्षार्थी बैठेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा केंद्रों के अंदर किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लाना प्रतिबंधित रहेगा। सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से हो सके। साथ ही नगर मजिस्ट्रेट व सीओ सिटी को निर्देश दिए कि रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड पर हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएं तथा बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों के लिए होटल आदि में ठहरने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए।पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने बताया कि परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने हेतु केंद्रों के साथ-साथ रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड व आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी गई है।

दशलक्षण महापर्व के सातवे दिवस उत्तम त्याग धर्म बडे ही श्रद्धा व उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ जलालाबाद शामली श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जलालाबाद जनपद शामली में जैन धर्म के चल रहे दशलक्षण महापर्व के सातवे दिवस उत्तम त्याग धर्म बडे ही श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया। प्रात: कालीन बेला में जैन श्रावको में अतिशय क्षेत्र जलालाबाद में एकत्रित होकर प्रभु पार्श्वनाथ भगवान का मंत्रो के साथ अभिषेक एवं शांतिधारा की । पूजन के बाद पण्डित सनत जैन ने उत्तम त्याग धर्म के बारे में बताया कि उत्तम त्याग धर्म की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वास्तविक त्याग ही आत्मा का प्रकार दीपक अलंकार है। जिस है, वैसे ही अंधकार को मिटाता आसक्ति को दूर त्याग मोह और करता है। वस्तुओं का त्याग केवल बाहरी स्तर पर ही नही बल्कि अंतरात्मा की आसक्तियों और कामनाओं का त्याग करना ही वास्तविक धर्म है। मंदिर परिसर में भक्ति गीतो, सामूहिक पाठ और स्तुति के मधुर स्वर गूंजते रहे। श्रावक-श्राविकाओं ने उपवास, अष्टहार, और विभिन्न नियमों का पालन कर धर्म लाभ लिया। आज सांय 48 काव्यो को पढकर 48 दीप जलाकर मानतुंग आचार्य जी द्वारा लिखित भक्तामर दीर्पाचन पाठ के पुण्यार्जक डा0 विनोद जैन सविता जैन टीकमगढ के द्वारा किया गया। इसके बाद चौबीसो भगवान व पार्श्वनाथ भगवान की आरती व भजनो के द्वारा पांचवे दिवस उत्तम त्याग धर्म का समापन किया गया। इस मौक पर आज के मुख्य अतिथि नगर के प्रसिद्ध समाज सेवी डा0 यशपाल शर्मा ने प्रभु के दर्शन कर व भक्तामर दीर्पाचन पाठ पढकर दीप प्रज्वलन किया। मंदिर कमेठी के मंत्री सुशील कुमार जैन ने उनका आभार प्रकट किया व पटका पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंदिर कमेठी के मंत्री श्री सुशील कुमार जैन, सतीस जैन, ऋषभ जैन, अर्पण जैन, विशाल जैन, अंकित जैन, राहुल जैन सचिन जैन आदि

सोनी ट्रेडर्स के परिसर से खाद्य पदार्थ सरसों का तेल व रिफाइंड सोयाबीन ऑयल का नमूना संगृहीत किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा / जिलाधिकारी महोदय के आदेशानुसार जनपद जालौन में मिलावटी खाद्य पदार्थों के बिक्री के संबंध में प्राप्त हो रही शिकायतों के दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन जनपद जालौन के सहायक आयुक्त (खाद्य) डॉ0 जतिन कुमार सिंह के नेतृत्व मे जनपद की तहसीलों में आम जनमानस को सुरक्षित एवं गुणवत्ता युक्त खाद्य पदार्थो की उपलब्धता हेतु टीम ने राजमार्ग उरई में स्थित सोनी ट्रेडर्स के परिसर से खाद्य पदार्थ सरसों का तेल व रिफाइंड सोयाबीन ऑयल का नमूना संगृहीत किया। कोंच रोड उरई पर स्थित रोहित जैन की तेल मिल से खाद्य पदार्थ सरसों का तेल का नमूना संगृहीत किया। कुइयां रोड स्थित गणेश जरनल स्टोर से खाद्य पदार्थ सरसों का तेल व मैदा का नमूना संगृहीत किया। जालौन तहसील के जालौन में मस्जिद के पास स्थित अजय राठौर पुत्र श्री राकेश राठौर उर्फ राजू के परिसर से खाद्य पदार्थ राइस ब्राउन ऑयल का नमूना, ज्वालागंज जालौन में स्थित प्रमोद कुमार गुप्ता उर्फ राजू गुप्ता के परिसर से खाद्य पदार्थ सरसों के तेल का नमूना व कोंच चौराहा पर स्थित शाहबूब के परिसर से खाद्य पदार्थ तैयार बिरयानी का नमूना संगृहीत किया गया। उक्त नमूनों को जॉच हेतु प्रयोगशाला प्रेषित किया जा रहा है। जॉच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात् खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अनुसार विधिक कार्यवाही की जायेगी। टीम के द्वारा जनपद के स्थानीय बाजारों के निरन्तर निरीक्षण किये जा रहे है व यह अभी आगे भी जारी रहेंगें। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, टीम में सहायक आयुक्त (खाद्य) डॉ0 जतिन कुमार सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कन्हैया लाल यादव, महेश प्रसाद मौजूद रहें।

ग्राम सभा में सड़क पर मवेशीय बांधने को लेकर विवाद, पंचायत प्रतिनिधियों से अभद्र व्यवहार

क्यूँ न लिखूँ सच/ चांदनी बिहारपुर। ग्राम पंचायत करौटी ए के आश्रित ग्राम चोगा में आयोजित ग्राम सभा रविवार को उस समय विवादों का केंद्र बन गई जब सड़क पर मवेशी बांधने का मुद्दा उठा। ग्राम सभा में सरपंच, पंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। ग्राम सभा के दौरान गांव के ही एक व्यक्ति ने पंचायत में शिकायत दर्ज कराई कि गांव की सड़क को अवरुद्ध कर दिया गया है। शिकायत पर तुरंत सरपंच एवं पंचों की टीम मौके पर पहुंची और जांच की। जांच के दौरान यह पाया गया कि सड़क को बंद करने की बात पूरी तरह झूठी है। वहीं, शिकायतकर्ता के घर के पास से गुजरने वाली पंचायत की सार्वजनिक सड़क पर बकरियां बांधकर आवागमन में बाधा उत्पन्न की जा रही थी। जब इस पर पंचायत प्रतिनिधियों ने आपत्ति दर्ज की और सड़क पर मवेशी न बांधने की समझाइश दी, तो शिकायतकर्ता ने ग्राम सभा के बीच ही सरपंच और पंचायत पदाधिकारियों से गाली-गलौज शुरू कर दी। इस अभद्र व्यवहार से ग्राम सभा का माहौल बिगड़ गया और उपस्थित ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई। ग्राम सभा में उपस्थित पंचों और ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत प्रतिनिधियों के साथ इस तरह का दुर्व्यवहार किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। यह पंचायत व्यवस्था की गरिमा को ठेस पहुँचाने वाला कृत्य है। सरपंच और सचिव ने मामले की लिखित शिकायत चांदनी थाना में दर्ज कराते हुए दोषी व्यक्ति पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इस तरह के मामलों पर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में ग्राम सभा जैसी लोकतांत्रिक बैठकों की गंभीरता प्रभावित होगी और पंचायत व्यवस्था पर से लोगों का विश्वास उठ सकता है।

नायब तहसीलदार सुसाइड: एक-दूसरे से लिपटकर रोते रहे मां-बाप, पथराई आंखों से दो बच्चियों को देखती रही पत्नी

बिजनौर सदर तहसील के नायब तहसीलदार राजकुमार (40) ने बुधवार सुबह कनपटी में गोली मारकर सुसाइड कर लिया। माता-पिता, पत्नी और दो बेटियां बुरी तरह रो रही थीं। पुलिस सुसाइड के कारणों का पता लगा रही है। नायब तहसीलदार राजकुमार की मौत पर पूरा परिवार बुरी तरह टूट गया है। राजकुमार सरकारी काम से हाईकोर्ट प्रयागराज गए थे। बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे लौटे। घर पर छोटी बेटी साईं को प्यार-दुलार किया। इसके बाद खुद को कमरे में बंद कर लिया। नहाने और तैयार होकर ड्यूटी पर जाने की बात कहते हुए राजकुमार कमरे में दाखिल हुए थे, करीब 20 मिनट तक कमरे का दरवाजा अंदर से बंद रहा। बाद में तोड़ा गया तो बेड पर खून से लथपथ मिले।बेटे की हालत देख पिता कुंवरपाल बिलख पड़े, उनके मुंह से निकला, सब लुट गया अंधेरा हो गया दुनिया में। पिता कुंवरपाल, अधिकारियों से रोते हुए यह गुहार लगाते रहे कि उनके बेटे को किसी तरह से बचा लो..। उधर, राजकुमार की पत्नी आंचल घटना के बाद से बेसुध हो गई। दोपहर बाद तक बेसुध हालत में पड़ी रही।सिर में आर-पार हो चुकी थी गोली पिस्टल से चली गोली सिर में आर-पार हो चुकी थी। हालत बेहद नाजुक रही, ऐसे में चिकित्सकों ने तमाम प्रयास किए लेकिन राजकुमार को बचाया नहीं जा सका। दरअसल जिस पिस्टल से खुद को गोली मारी, उसका लाइसेंस भी एक साल पहले ही लिया था। उस वक्त सर्वे में आ रही दिक्कतों को देखते हुए लाइसेंस जारी किया गया था।बुझ गया घर का इकलौता चिराग राजकुमार की मौत से घर का इकलौता चिराग बुझ गया। दरअसल राजकुमार अपने माता-पिता के इकलौते पुत्र थे। राजकुमार अपने पीछे पत्नी, दो बेटियों और माता-पिता को रोता बिलखते छोड़ गए हैं2013 में हुई थी शादी, 2022 में बिजनौर मिली तैनाती राजकुमार की शादी साल 2013 में शामली के बाबरी गांव की आंचल से हुई थी। बड़ी बेटी दीया 10 साल की है, जबकि छोटी बेटी साईं डेढ़ साल की है। सीधी भर्ती में चयनित होकर राजकुमार को बागपत में राजस्व निरीक्षक के पद पर तैनाती मिली। प्रमोशन के बाद नायब तहसीलदार बने और 30 जून 2022 को बिजनौर में ज्वाइन किया। इसके बाद दो जुलाई 22 को नजीबाबाद तहसील के लिए तबादला हो गया। 14 अगस्त 2023 को नजीबाबाद से बिजनौर सदर में तबादला हुआ। फिर 6 जून 24 को बिजनौर से नगीना तहसील चले गए। नगीना से बिजनौर सदर तहसील 13 मई 25 में तबादला होकर आए गए थे। बेटे के बिना खाना खाए, मां नहीं खाती थी खाना राजकुमार की मौत के बाद माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। रोते हुए पिता बोले, बेटे के बिना खाए, उसकी मां भी खाना नहीं खाती थी। अब हमारा क्या होगा। पिता, मां के गले लगकर फूट-फूटकर खूब रोए। वहीं, उनकी पत्नी शोक में चली गई। गम की वजह से उनकी आंखें पथरा गईं। ये है मामला बिजनौर सदर तहसील के नायब तहसीलदार राजकुमार (40) ने अपने सरकारी आवास पर बुधवार सुबह लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली कनपटी से सटाकर मारी गई। आत्महत्या का स्पष्ट नहीं हुआ है। नायब तहसीलदार राजकुमार सुबह करीब आठ बजे प्रयागराज से बिजनौर की ऑफिसर कॉलोनी में स्थित अपने सरकारी आवास पर पहुंचे। करीब दस बजे अपने पिता कुंवरपाल से नहाने की बात करते हुए कमरे में चले गए। कुछ ही देर में अंदर से गोली चलने की आवाज आई। आस-पास के लोगों और अन्य राजस्व कर्मियों ने दरवाजा तोड़ा। बेड पर राजकुमार खून से लथपथ हालत में पड़े मिले। पास में ही लाइसेंसी पिस्टल पड़ा था। राजकुमार मूल रूप से बागपत के गांव नागल के रहने वाले थे, जोकि अब माता-पिता, पत्नी और बच्चों के संग बिजनौर में सरकारी आवास में रह रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

प्रभारी महिला थाना द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत आर्य कन्या इंटर कॉलेज में छात्राओं को किया गया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच/ शैलेन्द्र कुमार पांडेय / पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला थाना प्रभारी श्रीमती मंजू यादव द्वारा मय टीम के आर्य कन्या इंटर कॉलेज, बहराइच में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में छात्राओं को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक कर उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की गयी तथा साइबर बुलिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और अन्य डिजिटल अपराधों से सुरक्षित रहने के तरीकों के बारे में विस्तार से समझाया गया। इसके अतिरिक्त, मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत उपलब्ध सभी महत्वपूर्ण टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों 1090, 112, 1098, 1076 आदि टोल फ्री नंबरों के बारे में बताया गया ।

ग्राम देवगांव में मथुरा बृंदावन से आए कलाकारों का नृत्य की प्रस्तुति देख दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार /कोंच (जालौन) ग्राम देवगांव में विराजे साक्षात विघ्नहर्ता श्री गणेश भगवान की पहले हुई आरती में पूरे ग्रामवासी सम्मिलित होकर श्री गणेश भगवान जी की आरती की इसके बाद मथुरा से आई कलाकारों की टीम ने माखन चोर जिन्हें हम प्यार से कान्हा बुलाते है श्रीकृष्ण भगवान के अभिन्न प्रकार के नाटक किए और ग्राम व क्षेत्रवासियों को भगवान की लीला के बारे में बताया समस्त क्षेत्रवासियों ने नृत्य देखकर मंत्र मुग्ध होकर कला कारों का सम्मान बढ़ाया इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष संदीप दुबेदी ने कहा कई वर्षों से गणपति बप्पा ग्रामीणों के सहयोग से लगभग दस साल पूर्ण हो चुके है कमेटी के उपाध्यक्ष अंबिका प्रसाद गुप्ता ने बताया हवन व भंडारा तीन तारीख दिन बुधवार को होगा सभी भक्तग णों से अनुरोध है बप्पा का भंडारा प्रसाद ग्रहण कर अपने जीवन को सफल बनाए वही कार्यकर्ता गण डॉक्टर एच एन निरंजन राजकुमार कुशवाहा सभापत कुशवाहा संतोष पटेल(लला) बंटू राठौर नितिन लंबरदार शालू बुंदेला अभय पटेल नितेश पटेल आशू कुशवाहा सौरभ कुशवाहा राजकुमार प्रजापति बड़े लला देवप्रसाद दीवान कुशवाहा रामकुमार पटेल सुशांत कुशवाहा एवं समस्त ग्राम देवगांव कमेटी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक करोड़ से फिल्म बनाई, मुनाफा कमाया, हिस्सा नहीं दिया; पवन सिंह सहित चार के खिलाफ एफआईआर

वाराणसी जिले में भोजपुरी गायक और अभिनेता पवन सिंह समेत चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। होटल कारोबारी ने कोर्ट में आवेदन दिया था। जिसके बाद कोर्ट के आदेश पर मुकदमे की कार्रवाई की गई है। भोजपुरी गायक और अभिनेता पवन सिंह समेत चार के खिलाफ मंगलवार रात कैंट थाने में 1.13 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी समेत अन्य आरोपों में केस दर्ज किया गया। सीजेएम मनीष कुमार के आदेश पर दर्ज मुकदमे की विवेचना इंस्पेक्टर सत्यप्रकाश करेंगे। नदेसर के होटल और टूर एंड ट्रैवल्स कारोबारी विशाल सिंह ने कोर्ट में आवेदन दिया था। उनका आरोप था कि पवन सिंह, फिल्म निर्माता अरविंद चौबे, प्रेमशंकर राय व पत्नी सीमा राय ने फिल्म बनाने के नाम पर 1.13 करोड़ रुपये वसूले लेकिन हिस्सा नहीं दिया। फिल्म बनाकर सारा मुनाफा हड़प लिया।क्या है मामला कैंट थाना क्षेत्र के नदेसर में टूर एंड ट्रैवल्स संचालक विशाल सिंह ने कोर्ट को बताया कि मुंबई में पढ़ाई के दौरान 2017 में महाराष्ट्र के पुणे सिटी चिंचवाड़ निवासी प्रेमशंकर राय व पत्नी सीमा राय से संपर्क हुआ। दोनों ने फिल्म बनाने और अच्छा मुनाफा कमाने का हवाला दिया। कहा कि फिल्म में भोजपुरी फिल्म स्टार पवन सिंह को लेंगे। फिल्म बनाने में जो भी खर्च होगा, वह उत्तर प्रदेश सरकार की सब्सिडी के माध्यम से वापस करा दी जाएगी। मई 2018 में दोनों ने अभिनेता पवन सिंह से नदेसर में कार्यालय में मुलाकात कराई। जून 2018 में प्रेमशंकर राय व सीमा राय ने दबाव बनाया कि पैसा लगाओ नहीं तो पवन सिंह दूसरी फिल्म साइन कर लेंगे। इनकी कंपनी श्रेयस फिल्म प्राइवेट लिमिटेड के खाते में अपने व अपने भाई के पार्टनरशिप की कंपनी रिद्धिका इंटरप्राइजेज के खाते से कई तिथियों में 32.60 लाख रुपये भेजे। नवंबर 2018 फिल्म की शूटिंग शुरू हुई। प्रेम शंकर, पत्नी सीमा राय व पवन सिंह व उनके सहयोगी अरविंद चौबे से नदेसर के होटल सिटी इन कैंट में मुलाकात हुई थी। इन लोगों ने फिल्म के खर्चों और हिस्सेदारी के बाबत कंपनी के लेटर पर कूटरचित दस्तावेज तैयार किया। मुझे फिल्म निर्माता दर्शाया गया। कहा गया कि मुनाफे का 50 प्रतिशत निर्माता, 25 प्रतिशत सह-निर्माता, 20 प्रतिशत अभिनेता व 5 प्रतिशत निर्देशक को मिलेगा।

Must include these 6 types of footwear in your wardrobe, you will look the most stylish in every event

To make any outfit stylish, it is important to wear the right footwear with it. The choice of wrong footwear can spoil your entire look. Therefore, it is important that you include some such

footwear (Womens Footwear) in your wardrobe that can help you look stylish at the event. The right footwear can make any dress stylish. Different footwear should be worn for different looks and events. The right footwear helps to enhance the entire look. Footwear (Women Footwears) is an important part of any outfit, which not only completes your look, but also enhances your personality. Wearing different types of shoes and slippers according to different occasions makes your fashion sense look even better. Let us know the 6 types of footwear, which should be in every woman's wardrobe and some special tips (Styling Tips) to style them. Heels Heels are an essential piece of any woman's wardrobe. They not only add height, but also give the outfit an elegant and formal look. Style Tips - Pair block heels with flared jeans or an A-line skirt. Stilettos look perfect with a little black dress or suit. Create a professional look by wearing nude or black heels in the office. Flats Flats are the best option for those who want both comfort and style. Ballet flats, loafers or escort driving shoes are good options for this. Style Tips - Wear ballet flats with skinny jeans or capris. Choose loafers with trousers or culottes for a stylish look. Add color to a plain outfit with printed flats. Sneakers Sneakers are not only worn for sports, but also for a casual and trendy look. They are comfortable and versatile. Style Tips - Create a casual-chic look by wearing sneakers with a dress or skirt. Pair high-top sneakers with shorts or denim. White sneakers match almost every outfit. Wedges Wedges are more comfortable and stable than heels. They are especially preferred in summer and rainy seasons. Style Tips- Wear wedges with a maxi dress or palazzo. Espadrille wedge sandals look trendy with denim shorts and top. Choose them for easy walking even on rough terrain. Boots Boots are the favorite footwear of winter, but some styles can be worn in other seasons as well. Chelsea boots, ankle boots and thigh boots are some popular varieties. Style Tips- Wear ankle boots with skinny jeans. Adjust thigh boots with a dress or skirt. Coordinate leather boots with winter accessories. Sandals There is nothing better than sandals in summer! They are airy, comfortable and stylish. Flat sandals, heeled sandals and gladiator sandals are available in many designs. Style Tips- Wear floral printed sandals with summer dresses. Style gladiator sandals with shorts or skirts. Beaded sandals are perfect for beach vacations. Footwear is not just a necessity, it is a fashion statement. By choosing the right shoes, you can not only enhance your outfit but also feel confident and stylish.

Pavitra Rishta actress Priya Marathe lost the battle with cancer, know the 5 early symptoms of this disease

Marathi actress Priya Marathe, who played the character of Varsha in the serial Pavitra Rishta, died at the age of 38 (Priya Marathe Death). Priya was battling cancer for the last two years but on August 31, she lost this battle. To save life from cancer, it is necessary to detect the disease early. Let us know some of its early symptoms. Marathi actress Priya Marathe died due to cancer It is important to detect cancer as early as possible, the early symptoms of this disease should not be ignored Priya Marathe, who made her mark in the world with the serial Pavitra Rishta, lost the battle with cancer (Priya Marathe Death). It is being told that Priya was battling cancer for the last two years, but despite treatment, her condition worsened and on August 31, she breathed her last. We get scared just by hearing the name of a deadly disease like cancer, but more than being afraid, there is a need to be cautious about it. The sooner this disease is detected, the greater the chances of successful treatment. Therefore, it is important to pay attention to some early signs of cancer. However, these signs look so minor that people often ignore them, which can prove fatal later. Let's know what the early symptoms of cancer are. Excessive and constant fatigue Normal fatigue is cured by rest or sleep. But if you are constantly feeling tired without doing any special work, the fatigue is not going away even after rest, then it can be a cause for concern. In blood cancer, colon or stomach cancer, there is often a lack of red blood cells in the body, due to which oxygen is not able to reach every part of the body properly and there is a lot of fatigue. Swelling or lump anywhere in the body A new lump or swelling appearing in any part of the body, especially in the breast, ovaries, neck, armpit or thigh, is the most common warning of cancer. If this lump is growing over time, is hard or does not move when touched, then you should get it checked by a doctor immediately. Although not every lump is cancerous, it is important to be cautious. Frequent fever or infection If you have frequent fever without any reason or get infected easily, it can be a sign of your immunity being weak. Cancers like leukemia or lymphoma affect the immune cells of the body, due to which the body is unable to fight diseases. Long-term pain Pain in any part of the body that lasts for more than three-four weeks, which is not relieved even by normal painkillers, can be a sign of cancer. For example, constant headache can be a symptom of brain tumor, back pain can be a symptom of colon or ovarian cancer and chest pain can be a symptom of lung cancer. Weight loss without any effort If you have lost 4-5 kg ??of weight without dieting or exercise, then it is quite dangerous. It is often an early symptom of cancer. Cancer cells affect the body's metabolism, due to which weight starts decreasing rapidly.

There is no bride or groom, yet the craze of fake weddings is increasing in cities; know what is this new trend

Wedding function means bride-groom, relatives, food, drinks and fun. But how would it be if irritable relatives are removed from weddings and there is no tension of bride and groom? Welcome to Big Fat Fake Wedding. This is a new trend (Fake Marriage Trend) in which there is no real wedding but the party is exactly like a wedding event. In the name of parties, the craze of fake weddings is increasing in cities. Weddings are being organized without bride and groom. There is no tension of taunts and complaints of relatives. There is decoration, mehndi, music and fun-filled dance. There is also a buffet with delicious dishes. There are baraatis too, but no bride and groom. Bride and groom are not even necessary in this wedding. Welcome to the fake wedding ceremony of cities. This wedding may be fake, but it is as joyous as a 'wedding' ceremony with band, baja, baraat, but the only difference is that this fake wedding does not require a bride and groom. Growing trend of fake weddings These days, the craze for such fake weddings in the name of parties is increasing a lot. Last month, many fake weddings were organized in Mumbai, Delhi-NCR, Bengaluru and Goa. It seems that this trend is going to increase further in the future. Nishant Kumar, founder of Noida's rooftop restaurant Tahiya, recently organized a fake wedding ceremony. Nishant said, such an event, guests get a full opportunity to dance, eat and enjoy the wedding ceremony. This is a unique idea inspired by nostalgia and love for Indian ceremonies. Weddings are one of the most vibrant expressions of culture, food, music and emotions - but they are also personal. We thought, why don't we give people all the fun and enjoyment of a grand Indian wedding ceremony without a real wedding. People liked this idea very much. No tension of what relatives will say Delhi resident Apoorva Gupta attended a fake wedding in South Delhi with her friend and her mother. She enjoyed this fake wedding ceremony immensely. She said, I never thought that a fake wedding would be so much fun. I kept dancing to wedding songs all night as if no one was watching and to tell the truth, no one was watching. Everyone was busy in their own fun. There was no tension of what distant relatives would say, nor was there any pressure to get a photo clicked with the bride and groom. Tickets range from Rs. 1,500 to more than Rs. 10,000 There is no need to wait for the wedding season to attend this wedding. The ticket for this program starts from Rs. 1,500. Tickets are also available for more than Rs. 10,000. By purchasing tickets, one can attend these programs even in the non-wedding season. Girls apply mehendi and dress up in lehengas, while boys arrive in embroidered kurtas. Strangers become friends and dance to celebrate a wedding that is literally a fake one. "We were with our friends, dancing to the beats of the dhols, enjoying without any worries," said Natasha Ghai, a college student, excitedly about one such fake wedding theme party in Gurugram recently. "It was a feeling of freedom. The wedding atmosphere was joyful."

Who is Anjali Raghav? Accused Pawan Singh of bad touch, has worked in this Bollywood film

Haryanvi actress Anjali Raghav recently got embroiled in controversies with Bhojpuri superstar Pawan Singh. Pawan Singh has been accused of touching Anjali Raghav inappropriately on stage without permission. After criticism Pawan Singh apologized. Artists of news. These days Pawan Singh's name has Haryanvi actress Anjali Raghav video was criticized on social media, Anjali behavior. After this, Bhojpuri superstar that he had no intention of hurting listening to Haryanvi songs, then you must worked with famous artists of Haryana in songs like Chutki Bajana Chhod De, Itwar Ki Chutti. Apart from being a Raghav was also a part of the Bollywood the lead roles in it. However, her role was Haryanvi actress or artist. These days, the with Pawan Singh. Let us also tell you 2012 TV show Carry-Rishta Khatta famous artists of the Haryanvi music than 10 years. Talking about Anjali, she is on Instagram and she keeps sharing posts projects. She also performs in Haryanvi music concerts. Apart from this, Anjali also uploads vacation photos on social media.

on social media, Anjali expressed displeasure after which Haryanvi and Bhojpuri music industry are often in the been linked to controversies. Actually, he touched inappropriately on stage without permission. When the clarified and expressed displeasure over Pawan Singh's Pawan Singh also shared a post apologizing and said anyone's feelings. Who is Anjali Raghav? If you like have seen Anjali Raghav in hit music videos. She has music videos as well as films. Her list of hit songs includes Sandal, Madam Nache Nache Re, Babu Aala Rajdoot, popular artist of the Haryanvi music industry, Anjali film Tevar. Arjun Kapoor and Sonakshi Sinha played a little small. At the same time, she is known as a actress has come into the news due to the controversy about Anjali Raghav that she has also worked in the Meetha. Apart from this, Anjali has worked with many industry and she has been active in the industry for more very active on social media. She has 1.8 million followers with fans. Most of the posts are related to her songs or

'Param Sundari' ruled the box office, made so many notes on the first weekend

Siddharth-Janhvi's Param Sundari was released in theatres on 29 August and in two days it earned more than 16 crores. Today, on the third day also, the film has earned a good amount at the box office. Read how much the first weekend? Param Sundari Janhvi's film earned this much on theatres on 29 August. Siddharth Sundari has hit the theatres on 29 from critics but still the film is and Saturday, the film earned a the earnings of the film on the third Collection This love story of North weekend and has earned Rs 8.14 With this, the first weekend crore. The film had collected Rs on the second day with a growth overall 21.48 percent occupancy in Collection According to data Rs 26.80 crore worldwide so far, This collection is a combination of worldwide collection are yet to of Janhvi Kapoor This film of Janhvi Kapoor has become one of her top 5 highest-grossing films, of which her Dhadak is at the top. Param Sundari has surpassed his own films Uljh (9.07 crores) and Mili (2.82 crores) in terms of collection. In Param Sundari, Siddharth Malhotra has played the role of a North Indian boy while Janhvi Kapoor has played the role of a South Indian girl. Both fall in love but many things come in their way which they face together. The film has been directed by Tushar Jalota under the banner of Maddock Films.

was the total collection of Param Sundari in Box Office Collection Day 3 Siddharth- the weekend Param Sundari was released in Malhotra and Janhvi Kapoor starrer Param August. The film has received mixed response performing well at the box office. On Friday total of 16.50 crores, while now let's know day. Param Sundari First Weekend and South has performed well in its first crore so far and counting is still going on. collection of the film has become Rs 24.64 7.25 crore on the first day and Rs 9.25 crore of 27.59%. Param Sundari recorded an Hindi on Sunday. Param Sundari Worldwide tracker Sacnilk, Param Sundari has earned in which the overseas collection is Rs 7 crore. two days' earnings, the third day's figures of come. Param Sundari left behind these films

Who got eliminated in Weekend Ka Vaar? Kunika left captaincy!

In the first Weekend Ka Vaar of Bigg Boss Season 19, Salman Khan interacted with the contestants and brought Tanya and Ashnoor face to face in the Verdict Room. In which the housemates were asked to vote for the Who got eliminated in the first Weekend contestant choose between Tanya and Bigg Boss 19 is always explosive. Salman contestants while teaching them a lesson. Weekend Ka Vaar episode itself and mode' from the second week itself. From him to mentioning Tanya Mittal's antics, Saturday and reminded them to mend Weekend Ka Vaar, Salman Khan met all eliminate one of them. This week Gaurav Prinit More, Neelam, Zeeshan Qadri, contestants remained safe in the evicted from the house in this Weekend choose between Tanya and Ashnoor? On sent to the verdict room in which the two as to who considers himself superior. and Salman Khan advised Tanya to try resigned from her captaincy after a fight appoint someone else as the captain. Bigg opening for any show in 2025 and has broken all records on Jio Hotstar. Bigg Boss 19 airs daily at 9 pm on Hotstar and 10.30 pm on Colors TV.

one who considers himself more superior. Ka Vaar of Bigg Boss 19? Who did the Ashnoor? The first Weekend Ka Vaar of Khan gives a reality check to the This time he raised the issue in the first asked the celebrities to come in 'active telling Pranit More the jokes he made on he talked about the contestants on their ways. Who got eliminated? In the contestants in which he had to Khanna, Tanya, Abhishek, Mridul, Natalia were nominated. All these 8 elimination round, that is, no one was Ka Vaar. Whom did the contestants the other hand, Tanya and Ashnoor were contestants had to choose between the Most of the contestants voted for Tanya to stay grounded to earth. Kunika in the house and requested Bigg Boss to Boss 19 has recorded the best OTT